धनबाद, गुरूवार
03 सितंबर 2026
वर्ष : 03 अंक : 334
पृष्ठ : 08
मूल्यः 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

अनावश्यक रोड कट होंगे बंद, बसों के रूट और समय-सारणी का तैयार होगा डेटा : मुख्यमंत्री

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, ।मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने बुधवार को झारखंड मंत्रालय में नगर विकास और पथ निर्माण विभाग की ओर से संचालित कार्यों, योजनाओं एवं परियोजनाओं की समीक्षा की।बैठक में दोनों विभागों के अंतर्गत संचालित विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति, कार्यान्वयन की स्थिति और आगामी कार्ययोजनाओं की विस्तृत जानकारी ली गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सभी योजनाओं का प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिया।मुख्यमंत्री ने रांची शहर की यातायात व्यवस्था को और अधिक सुचारू और व्यवस्थित बनाने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने शहर में संचालित सभी बसों की संख्या, उनके रूट और समय-सारणी का समुचित डेटा तैयार करने को कहा, ताकि सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को बेहतर ढंग से संचालित किया जा सके और अनावश्यक भीड़ एवं यातायात दबाव को कम किया जा सके।उन्होंने शहर की सड़कों के बीच बने अनावश्यक कटों को चिन्हित कर उन्हें बंद करने और वाहनों के लिए निर्धारित चौक-चौराहों से ही सुरक्षित टर्निंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अनावश्यक कट के कारण वाहनों की आवाजाही प्रभावित होती है और कई स्थानों पर यातायात व्यवस्था बाधित होती है। ऐसे सभी स्थानों का अध्ययन कर आवश्यक सुधार किया जाए।

बैठक में राज्य के रोड नेटवर्क और संचालित कार्यों का ओवरव्यू, पिछले पांच वर्षों में बनाई गई कार्ययोजनाओं एवं भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप सड़क एवं परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के उपायों की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा

कि शहर के बढ़ते विस्तार और आबादी को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक एवं समग्र कार्ययोजना तैयार की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास का दायरा केवल रांची शहर तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि राज्य के अन्य प्रमुख शहरों को भी सुनियोजित एवं आधुनिक सुविधाओं से युक्त शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य किया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि शहरों को जोनवार विभाजित कर आबादी और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास की कार्ययोजना तैयार की जाए।

मुख्यमंत्री ने सड़क निर्माण की योजनाओं में जल निकासी की समुचित व्यवस्था को सड़क निर्माण का अभिन्न हिस्सा मानते हुए कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सड़क के दोनों किनारों पर सुव्यवस्थित और वैज्ञानिक तरीके से ड्रेनेज सिस्टम विकसित किया जाए एवं सड़क तथा ड्रेनेज की पूरी संरचना को एकीकृत रूप से डिजाइन किया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि ड्रेनेज सिस्टम को सड़क की संरचना के अनुरूप पर्याप्त चौड़ाई एवं आवश्यक स्थान उपलब्ध कराया जाए, ताकि भविष्य में सड़क के किनारे अनियोजित निर्माण अथवा अतिक्रमण की स्थिति उत्पन्न न हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क के दोनों किनारों पर ड्रेनेज एवं पैदल आवागमन सहित आवश्यक सुविधाओं के लिए पर्याप्त स्थान का प्रावधान किया जाए। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण के दौरान भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त जगह का प्रावधान किया जाना आवश्यक है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सड़क की चौड़ाई, जल निकासी, पैदल यात्रियों की सुविधा एवं यातायात के सुचारू संचालन को ध्यान में रखते हुए समग्र डिजाइन तैयार किया जाए। विशेष रूप से बारिश के दौरान जलजमाव की समस्या वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर वहां प्रभावी ड्रेनेज नेटवर्क विकसित किया जाए, ताकि जल निकासी निर्बाध रूप से हो सके और सड़कों पर पानी जमा होने के कारण यातायात बाधित न हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ड्रेनेज सिस्टम केवल सड़क निर्माण के बाद की व्यवस्था न हो, बल्कि सड़क निर्माण की मूल परियोजना एवं डिजाइन का अनिवार्य हिस्सा हो। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जहां पहले से सड़कें बनी हुई हैं, वहां जलजमाव एवं जल निकासी से संबंधित समस्याओं का तकनीकी अध्ययन कर आवश्यकतानुसार ड्रेनेज व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए।

मुख्यमंत्री ने सड़क निर्माण एवं अन्य संचालित विकास कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में अनावश्यक विलंब किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा। सभी विभाग और संबंधित एजेंसियां आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए परियोजनाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित करें, ताकि निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से निर्धारित समय में पूरा हो और इसका सीधा लाभ आम लोगों को मिल सके।

मुख्यमंत्री ने सड़क किनारे ठेला, गुमटी एवं अन्य स्वरोजगार के माध्यम से आजीविका चलाने वाले वेंडर्स को व्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी वेंडर्स को चिन्हित करते हुए उनके लिए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

बैठक में मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, प्रधान सचिव सुनील कुमार, उपायुक्त, मंजूनाथ भजन्त्री, वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन सहित संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारी एवं अधिकारी उपस्थित थे।

ब्रीफ न्यूज

रांची स्टेशन को बेस्ट स्टेशन अवार्ड मिलने पर दी बधाई

रांची, 02 सितंबर (हि.स.)। दक्षिण पूर्व रेलवे में रांची रेलवे स्टेशन को बेस्ट स्टेशन अवार्ड मिलने पर जेडआरयूसीसी सदस्य अरुण जोशी ने बुधवार को रांची रेलवे स्टेशन पहुंचकर स्टेशन प्रबंधक सतीश कुमार सिंह और उनकी पूरी टीम को बधाई दी।

उन्होंने इस उपलब्धि को रांचीवासियों के लिए गौरव का विषय बताया। अरुण जोशी ने बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्त में कहा कि रांची रेलवे स्टेशन को दक्षिण पूर्व रेलवे में बेस्ट स्टेशन का सम्मान मिलना स्टेशन प्रबंधन और पूरे रेलवे स्टाफ की बेहतर कार्यशैली का परिणाम है।

स्वच्छता, यात्री सुविधाओं, व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने और यात्रियों को सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार किए जा रहे प्रयासों से यह उपलब्धि हासिल हुई है।

उन्होंने स्टेशन प्रबंधक सतीश कुमार सिंह और उनके सहयोगियों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि रेलवे स्टेशन की व्यवस्थाओं में निरंतर सुधार से यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं।

उन्होंने स्टेशन प्रबंधन और कर्मचारियों से इसी समर्पण के साथ कार्य जारी रखने की अपील की।

गैस कनेक्शन लगाने के दौरान दो मजदूर झुलसे, एक गंभीर

पूर्वी सिंहभूम, (एजेंसी) :कदमा थाना क्षेत्र स्थित वर्कर्स फ्लैट में बुधवार को गैस कनेक्शन लगाने के दौरान अचानक आग लगने से दो मजदूर झुलस गए। हादसे के बाद दोनों घायलों को तत्काल इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है।

घायलों में कपाली निवासी गुलाम कादिर और सत्तार अंसारी शामिल हैं। इनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

घायल सत्तार अंसारी के अनुसार, वे लोग वर्कर्स फ्लैट के एक आवास में रसोई गैस का पाइप कनेक्शन लगाने का काम कर रहे थे। इसी दौरान दीवार में ड्रिल मशीन से छेद किया जा रहा था। आरोप है कि ड्रिलिंग के दौरान निकली चिंगारी के संपर्क में गैस पाइप से हो रहे रिसाव के कारण आग भड़क उठी।

देखते ही देखते आग की चपेट में आने से दोनों मजदूर झुलस गए। हादसे के बाद मौके पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। एमजीएम अस्पताल में दोनों का इलाज जारी है।

रक्षा क्षेत्र में एमएसएमई के लिए अपार संभावनाएं: राजनाथ सिंह

नोएडा, (एजेंसी) : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को ग्रेटर नोएडा में आयोजित उद्यमियों के एक कार्यक्रम में कहा कि रक्षा विनिर्माण में भी एमएसएमई सेक्टर के लिए अपार संभावनाएं है। आईडेक्स और अदिति जैसे पहल ने स्टार्ट-अप्स, इनोवेटर्स और एमएसएमई को सशस्त्र बल की जरूरतों के लिए नवोन्मेषी समाधान विकसित करने का मौका दिया है। देश के एमएसएमई एंटरप्रेन्योर्स को रक्षा क्षेत्र को केवल सरकारी खरीद बाजार समझने से बचना होगा।

इसे टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और वैश्विक कारोबार के मौके के रूप में देखना होगा। ड्रोन्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, साइबर सिक्योरिटी, एडवांस्ड इलेक्ट्रॉनिक्स, सेंसर्स, ऑटोनोमस सिस्टम्स, एडवांस्ड मटेरियल्स, स्पेस, और क्वांटम टेक्नोलॉजी में भविष्य की संभावनाएं हैं। यहां जल संरक्षण संकल्प के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की गई। रक्षामंत्री ने कार्यक्रम के शुभारंभ के तरीके की सराहना की।

तिलपता गांव के पास स्थित एक बैंक्वेट हॉल में मंगलवार को इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) की 35वीं वार्षिक जनरल मीटिंग, बिजनेस डेवलपमेंट और एमएसएमई अवार्ड कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें प्रदेश के 1000 से अधिक

उद्यमियों ने भाग लिया।रिसोर्स पर बोलते हुए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मंगलवार को डिफेंस पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग के सीएमडी के साथ तीन घंटे बैठक की। जहां पता चला कि 16000 एमएमएमई उद्योग डिफेंस पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग से जुड़े हैं। विकसित भारत में एमएसएमई की महत्वपूर्ण भूमिका है। आने वाले समय में यह भूमिका और बढ़ने वाली है। विकसित भारत का अर्थ केवल आर्थिक रूप से मजबूत भारत ही नहीं होगा, बल्कि एक ऐसा भारत है जो विनिर्माण में वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी होगा। जो टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में अग्रणी होगा। युवाओं के लिए पर्याप्त रोजगार के अवसर पैदा करेगा। एमएसएमई शहरों के साथ-साथ छोटे कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों तक आर्थिक गतिविधियां पहुंचा रहे है। इससे रोजगार पैदा होने के साथ युवा सशक्त हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि दुनिया एक बहुत ही विश्वसनीय विनिर्माण पार्टनर की तलाश कर रही है। यह भारत के लिए बड़ा अवसर होगा। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत यूएई, यूके, ओमान, स्विट्जरलैंड जैसे अनेक महत्वपूर्ण देशों और यूरोपीय संघ जैसे महत्वपूर्ण ग्लोबल पार्टनर के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठा रहा है। जो एमएसएमई उद्योगों के लिए एक बड़ा अवसर हैं।

रक्षा मंत्री ने कहा कि एमएसएमई उद्योगों को केवल घरेलू सप्लायर तक सीमित नहीं रखना है बल्कि ग्लोबल एंटरप्रेन्योर्स बनाना होगा। हमारा लक्ष्य मेक इन इंडिया, मेक फॉर इंडिया, एंड मेक फॉर द वर्ल्ड होना चाहिए। आत्मनिर्भर भारत का सपना केवल बड़ी कार्यशालाओं से पूरा नहीं होगा, इसके लिए देश के हर छोटे उद्यमी को बड़ा सोचने और बड़ा बनने का अवसर देना होगा। सरकार यह काम कर रही है। रक्षा निर्माण और आधुनिक तकनीकों को अपनाकर उद्यमी अब केवल उत्पाद ही नहीं, बल्कि बौद्धिक संपदा बनाकर देश की सुरक्षा व अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रहे हैं।

वर्ष 2012-13 के आसपास देश में एमएसएमई की संख्या 4.67 करोड़ थी। जो आज लगभग 9 करोड़ पहुंच चुकी है। यह बदलती आर्थिक शक्ति का एक नमुना है। रक्षा विनिर्माण में भी एमएसएमई के लिए अपार संभावना है। देश के एमएसएमई से कहना कि रक्षा सेक्टर को केवल मार्केट ना समझे, इसे तकनीकी, इनोवेशन और ग्लोबल अवसर के रूप में देखना होगा। वो रोबोटिक्स, साइबर सिक्योरिटी, एआई, एडवांस मेडिकल पर काम करना होगा। इनोवेशन पर काम करना होगा।

झारखंड के हर जिलों में स्वाइन फ्लू जांच जल्द शुरू हो : सचिव

रांची, (एजेंसी) : स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को स्वास्थ्य विभाग एवं एनएचएम की समीक्षा बैठक हुई। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक में स्वाइन फ्लू की स्थिति, जांच व्यवस्था, एचएमआईएस, सीसीटीवी इंस्टॉलेशन, कर्मियों के प्रशिक्षण और डॉक्टर और पैरामेडिकल कर्मियों के रिस्ट्रक्चरिंग पर विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर अजय कुमार सिंह ने कहा कि झारखंड के सभी जिलों में जल्द से जल्द स्वाइन फ्लू की जांच शुरू किया जाए।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में मरीजों को रांची सदर अस्पताल, रिम्स और एमजीएम जमशेदपुर में जांच की सुविधाएं मिल रही है। इसका आमजन लाभ ले सकते हैं। उन्होंने आरटी-पीसीआर मशीनों, खराब उपकरणों की मरम्मत और जांच किट की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए मशीन नहीं होने वाले जिलों से तत्काल रिक्विजीशन भेजने को कहा।उन्होंने जरूरत पड़ने पर टेक्नीशियन और पैथोलॉजिस्ट को प्रशिक्षण देने का निर्देश दिया।उन्होंने सभी जिलों में एचएमआईएस को पूरी तरह फंक्शनल करने और टूनेट मशीनों को इससे जोड़ने की प्रक्रिया तेज करने को कहा। सीसीटीवी के लिए महत्वपूर्ण स्थानों का प्लान तैयार कर इंस्टॉलेशन कराने का निर्देश दिया।

बैठक में डॉक्टरों की कमी दूर करने के लिए दक्षिण भारत से करीब एक हजार पीजी डॉक्टर लाने के प्रयास की जानकारी दी गई। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक सीएचसी अपग्रेड करने के प्रस्ताव की भी समीक्षा हुई। राज्य के 125 स्थानों पर एचपीएलसी मशीन उपलब्ध कराने की योजना पर चर्चा हुई।

बैठक में डॉ नेहा अरोड़ा, शशि प्रकाश सिंह, ललित मोहन शुक्ला समेत पदाधिकारी और सभी जिलों के सिविल सर्जन मौजूद थे।

झारखंड की मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने खरगे और वेणुगोपाल से दिल्ली में की मुलाकात

संगठन विस्तार और एसआईआर पर हुई चर्चा

रांची, (एजेंसी) : झारखंड की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने बुधवार को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल सहित पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की।

मुलाकात के दौरान संगठन विस्तार, पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत करने, सरकार के कामकाज और जनता से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। मंत्री ने झारखंड के मौजूदा राजनीतिक हालात और जनहित से जुड़े विषयों से केंद्रीय नेतृत्व को अवगत कराया।

बैठक में जनता से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाने और संगठन को और प्रभावी बनाने को लेकर भी विचार-विमर्श हुआ। दीपिका पांडेय सिंह ने एसआईआर प्रक्रिया के कारण आम लोगों के सामने आ

रही चुनौतियों और मतदान के अधिकार को सुरक्षित रखने से जुड़े विषयों पर भी केंद्रीय नेताओं के साथ चर्चा की।मंत्री ने कहा कि भाजपा की ओर से राजनीतिक स्तर पर किए जा रहे प्रयासों का मुकाबला करने के लिए कांग्रेस को संगठनात्मक रूप से और मजबूती के साथ काम करना होगा। केंद्रीय नेतृत्व ने विभिन्न मुद्दों पर पार्टी की भूमिका और आगामी रणनीति को लेकर मार्गदर्शन दिया।

बैठक में संगठन को मजबूत करने और जनता के बीच कांग्रेस की सक्रियता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। इस दौरान कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे।

राममंदिर के पहले सीईओ बने पूर्व एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा, गोविंद देव गिरि महासचिव

अयोध्या, (एजेंसी) : पूर्व एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बनाए गए हैं। गोविंद देव गिरि को महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। वह अभी कोषाध्यक्ष थे। इसके अलावा ट्रस्ट में एक महिला समेत तीन नए सदस्यों को भी शामिल किया गया है। ट्रस्ट की बुधवार को यहां हुई बैठक के बाद इसकी घोषणा की गयी।तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने एक बयान में बताया कि मिश्रा ने ऑपरेशन सिंदूर में पश्चिमी वायु कमान का नेतृत्व किया था। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के रहने वाले मिश्रा वायुसेना में अपनी 39 साल की सेवा के बाद 30 अप्रैल 2026 को सेवानिवृत्त हुए थे।ट्रस्ट में तीन नए सदस्य भी बनाए गए हैं। इनमें अयोध्या छावनी के निवासी एडवोकेट मदन मोहन पांडेय, दिल्ली के महेश भागचंदका और शिकोहाबाद की रहने वाली डॉ. निर्मला यादव शामिल हैं। निर्मला यादव ट्रस्ट की पहली महिला ट्रस्टी होंगी। भागचंदका को गोविंद देव गिरि के स्थान पर कोषाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया है।

ट्रस्ट के तीन नए सदस्यों में से 74 वर्षीय मदन मोहन पांडेय राम जन्मभूमि के स्वामित्व विवाद मामले में रामलला की ओर से कानूनी पैरवी करने वाली टीम का हिस्सा रहे हैं। इलाहाबाद उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय में राम जन्मभूमि से जुड़े पक्ष की दलीलों में उनकी अहम भूमिका रही। पांडेय उत्तर प्रदेश के छह वर्षों तक अतिरिक्त महाधिवक्ता भी रह चुके हैं।

दूसरे सदस्य 68 वर्षीय महेश भागचंदका दिल्ली के कारोबारी हैं। वर्ष 2020 में राम मंदिर के भूमि पूजन और 22 जनवरी 2024 के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में वह यजमान भी रहे थे। स्नातक तक शिक्षा प्राप्त भागचंदका 'हिन्दुत्व के पुरोधा' पुस्तक के लेखक हैं। वर्ल्ड हिंदू इकोनॉमिक फोरम की कार्यकारिणी के सदस्य भागचंदका राम वनगमन यात्रा से जुड़े 292 पवित्र तीर्थस्थलों में श्रीराम स्तम्भ की स्थापना कार्य से भी जुड़े रहे हैं।ट्रस्ट की तीसरी सदस्य 66 वर्षीय डॉ. निर्मला यादव शिकोहाबाद की रहने वाली हैं। वह ट्रस्ट की पहली महिला सदस्य हैं। हिंदी और संस्कृत में परास्नातक डॉ. यादव 19 वर्ष तक महाविद्यालय की प्राचार्य रही हैं।राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के बाद दो जुलाई को ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा ने इस्तीफा दे दिया था। उनके इस्तीफे के बाद रिटायर्ड आईएफएस कृष्ण मोहन को कार्यवाहक महासचिव बनाया गया था। ट्रस्ट ने पिछले दो माह की चुनौतीपूर्ण अवधि में महासचिव पद का कार्यभार सफलतापूर्वक निर्वहन करने के लिए कृष्ण मोहन की सराहना करते हुए उनके प्रति आभार प्रकट किया।

ट्रस्ट के मुताबिक बैठक में चढ़ावे की नकद राशि की गणना की प्रक्रिया में मानवीय हस्तक्षेप कम करने के निमित किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा हुई। दो बैंकों और आईआईटी से इस संबंध में कुछ प्रस्ताव मिले हैं जिनका मूल्यांकन कर शीघ्र ही तकनीकी सहायता से इस दिशा में प्रगति हो सकेगी।ट्रस्ट ने चयन समिति के सदस्यों- न्यायमूर्ति (सेवानिवृत) प्रमोद कोहली, लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत) विष्णुकांत चतुर्वेदी, सुरेश हावड़े और समिति के सचिव समीर पंडा के प्रति अल्पकाल में साढ़े पांच हजार आवेदनों की जांच और सैकड़ों आवेदकों का साक्षात्कार कर इस कार्य को सम्पन्न करने के लिए आभार व्यक्त किया।ट्रस्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2025-26 में कुल आय 237 करोड़ और व्यय 91 करोड़ रुपये रहा। इनके अतिरिक्त निर्माण आदि कार्यों पर 425 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय हुआ। वर्ष के अंत 31 मार्च 2026 को ट्रस्ट के पास कुल उपलब्ध राशि 1882 करोड़ रुपये थी।

संक्षिप्त खबरें

पशुपालन और गव्य विकास विभाग की समीक्षा बैठक में उपायुक्त ने दिए निर्देश

हजारीबाग ,(एजेंसी) : उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय सभागार में पशुपालन विभाग एवं गव्य विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

ठक में मुख्यमंत्री पशुधन योजना की अद्यतन स्थिति सहित विभाग की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री पशुधन योजना के बेहतर और प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर गंभीर है।

यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों के पशुपालकों की आजीविका को सुदृढ़ करने और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं पात्रता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कुक्कुट पालन, ब्रॉयलर-लेयर, सुकर पालन, बत्तख पालन, गाय पालन सहित पशुपालन विभाग की विभिन्न योजनाओं के लिए लाभुकों के चयन की प्रक्रिया को प्रखंड स्तरीय समिति के माध्यम से सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि योजना का लाभ केवल योग्य एवं पात्र लाभुकों को ही मिले, इसके लिए चयन प्रक्रिया की गंभीरता से निगरानी की जाए। उपायुक्त ने विशेष रूप से कहा कि ऐसे लाभुकों को प्राथमिकता दी जाए, जो योजना के तहत पशुपालन कार्य के लिए स्वयं इच्छुक हों और प्राप्त परिसंपत्ति का बेहतर उपयोग कर सकें। उन्होंने अधिकारियों को योजना के लाभुकों का उचित सत्यापन करते हुए यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सरकारी योजना का लाभ वास्तविक एवं जरूरतमंद पशुपालकों तक पहुंचे बैठक में पशुपालन विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति, लाभुकों के चयन एवं योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया।

बैठक में पशुपालन पदाधिकारी अरुण प्रताप सिंह, प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी,संबंधित विभाग के पदाधिकारी और कर्मी उपस्थित थे।

तेज धार में बह गई बच्ची, पांच किमी दूर मिला शव

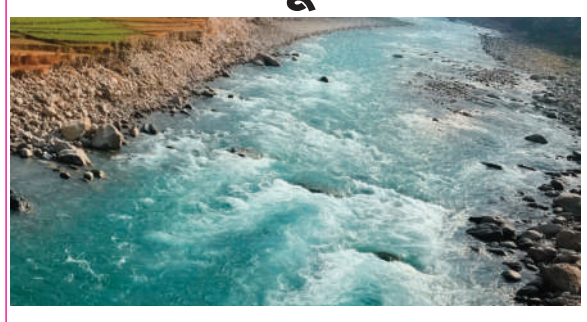

कोडरमा, (एजेंसी) : जिले के सतगावां थाना क्षेत्र के कोठियार पंचायत अंतर्गत नावाडीह गांव में बुधवार को बरमसी नदी की तेज धार ने एक बच्ची की जिंदगी छीन ली। नदी में अचानक बढ़े पानी के बहाव की चपेट में आने से तीन वर्षीय माही कुमारी बह गई। काफी खोजबीन के बाद उसका शव घटनास्थल से करीब पांच किलोमीटर दूर नदी की धारा से बरामद किया गया।

बताया गया कि सुधीर कुमार राय की पत्नी मधु देवी बुधवार को बर्तन धोने के लिए बरमसी नदी गई थीं। उनके साथ उनकी तीन वर्षीय बेटी माही कुमारी भी थी। इसी दौरान नदी में अचानक पानी का बहाव तेज हो गया और माही उसकी चपेट में आकर बह गई। बच्ची को नदी में बहता देख परिजनों और ग्रामीणों ने तत्काल उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन तेज धार के कारण वे सफल नहीं हो सके। इसके बाद ग्रामीणों ने नदी के किनारे और आसपास के इलाके में बच्ची की तलाश शुरू कर दी।

काफी देर तक चले खोज अभियान के बाद ग्रामीणों को घटनास्थल से करीब पांच किलोमीटर दूर नदी की धारा में माही का शव मिला। मासूम का शव मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं पूरे गांव में मातम पसर गया। घटना के बाद से माही की मां सहित अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

हजूर साहिब के लिए 500 श्रद्धालुओं का जत्था रवाना

पूर्वी सिंहभूम, (एजेंसी) : रंगरेटा शिरोमणि शहीद बाबा जीवन सिंह की 365वीं जयंती के अवसर पर हजूर साहिब में आयोजित होने वाले विशाल नगर कीर्तन में शामिल होने के लिए बुधवार को जमशेदपुर से करीब 500 श्रद्धालुओं का जत्था रवाना हुआ। रंगरेटा महासभा के नेतृत्व में निकला यह जत्था टाटानगर रेलवे स्टेशन से संतरागाछी-नांदेड़ एक्सप्रेस से अबचल नगर, हजूर साहिब के लिए रवाना हुआ।

जत्थे की रवानगी से पहले टाटानगर रेलवे स्टेशन पर संगत की ओर से सरबत के भले के लिए अरदास की गई। श्रद्धालुओं ने बाबा जीवन सिंह के त्याग, शौर्य और समाज सेवा को याद करते हुए उनके प्रकाश पर्व से जुड़े धार्मिक आयोजन में शामिल होने के लिए उत्साह जताया। स्टेशन पर श्रद्धालुओं के पहुंचने से माहौल भक्तिमय बना रहा।

जत्थे को विदा करने के लिए साकची गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी के मुख्य सेवादार सरदार निशान सिंह के नेतृत्व में कमिटी के पदाधिकारी और सदस्य स्टेशन पहुंचे। इनमें महासचिव परमजीत सिंह काले, कोषाध्यक्ष बलबीर सिंह, अजायब सिंह बरियार, दलजीत सिंह, बलदेव सिंह बब्बू और मनोहर सिंह मिते सहित अन्य सदस्य शामिल थे।

निशान सिंह ने कहा कि बाबा जीवन सिंह का जीवन साहस, त्याग और मानवता की सेवा का संदेश देता है। उनकी जयंती के अवसर पर हजूर साहिब की पावन धरती पर आयोजित नगर कीर्तन में शामिल होना संगत के लिए गौरव और आध्यात्मिक सौभाग्य की बात है।

इस अवसर पर सीजीपीसी के पूर्व प्रधान गुरमुख सिंह मुखे और मीरा मुंडा ने भी स्टेशन पहुंचकर श्रद्धालुओं से मुलाकात की और उनकी मंगलमय यात्रा के लिए बधाई दी।

कोढ़ा गिरोह के आठ अपराधी गिरफ्तार, कई सामान बरामद

हजारीबाग, (एजेंसी) : पुलिस ने जिले में छिनतई की घटनाओं को अंजाम देने वाले कुख्यात कोढ़ा गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने गिरोह के 08 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से चोरी की चार बाइक, करीब 27 ग्राम सोने के आभूषण, छह की-पैड मोबाइल, छह फर्जी नंबर प्लेट और 23 पुड़िया संदिग्ध पदार्थ बरामद किया गया है।

बुधवार को पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने पत्रकार वार्ता कर इसकी जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, गिरोह के सदस्य बाइक पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर शहर और आसपास के क्षेत्रों में घूमते थे। लोगों की रेकी कर सोने-चांदी के आभूषण एवं अन्य सामान छीनकर फरार हो जाते थे। यह कार्रवाई हजारीबाग एसपी अमन कुमार को मिली गुप्त सूचना पर की गई।

इस संबंध में एसपी को मंगलवार को सूचना मिली थी कि कोढ़ा गिरोह के कुछ अपराधी जिले में दोबारा छिनतई की घटना को अंजाम देने के उद्देश्य से शहर में घुस आए हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए सदर एसडीपीओ रूपक कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने एंटी क्राइम चेकिंग शुरू की। लोहसिंघना थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस हजारीबाग झील के आसपास चेकिंग कर रही थी। तभी झील की ओर से तेज गति से दो बाइक आती दिखाई दी। दोनों बाइक पर दो-दो युवक सवार थे।

पुलिस के देख युवकों ने बाइक घुमाकर भागने का प्रयास किया। टीम ने चारों को घेरकर पकड़ लिया। पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार आरोपितों में मिट्ठू यादव, रितिक कुमार यादव, सन्नी कुमार और अमन यादव शामिल हैं। सभी बिहार के कटिहार जिले के कोढ़ा थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपितों ने गिरोह के मुख्य संचालक पुसू यादव, आनंद यादव, विकास यादव उर्फ रंगीला यादव, सावन कुमार, सुजल कुमार यादव और राजकुमार यादव के नाम बताए हैं। गिरोह के हजारीबाग स्थित स्थानीय नेटवर्क में अरशद खान, अजहर खान और अफसर खान के नाम भी सामने आए हैं।

भ्रूण हत्या और जन्म पूर्व लिंग परीक्षण करनेवाने अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर होगी कार्रवाई : उपायुक्त

देवघर, (एजेंसी) : उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया की अध्यक्षता में बुधवार को पीसी-पीएनडीटी एक्ट-1994 से संबंधित जिला सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन उपायुक्त कार्यालय में किया गया।इस दौरान उपायुक्त ने बैठक के माध्यम से आए हुए विभिन्न केंद्रों के आवेदनों पर विचार-विमर्श करते हुए समिति की ओर से सभी मामलों की जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई करने पर सहमति जताई।

बैठक में उपायुक्त ने बताया कि वर्तमान में देवघर जिला में कुल 55 अल्ट्रासाउंड केंद्र हैं। सभी निर्बंधित अल्ट्रासाउंड केंद्रों में जिला स्तर पर गठित टीम की ओर से औचक निरीक्षण कर जांच किया जा रहा है कि इस संस्थानों में भ्रूण हत्या, जन्म पूर्व लिंग परीक्षण और अन्य किसी भी माधयम से बेटियों की हत्या का कार्य नहीं किया जा रहा है। यदि उपरोक्त मामलों में कोई भी संस्थान संलिप्त पाए जाते हैं तो उक्त संस्थान के लाइसेंस को रद्द करते हुए जिला स्तर से विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।गभाधान और प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम, 1994 भारत में कन्या भ्रुण हत्या और गिरते लिंगानुपात को रोकने के लिए भारत की संसद की ओर से पारित एक संघीय कानून है। इस अधिनियम से प्रसव पूर्व लिंग निर्धारण पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। प्री-नेटल डायग्नोस्टिक टेक्निक पीसी-पीएनडीटी एक्ट- 1994 के तहत जन्म से पूर्व शिशु के लिंग की जांच पर पाबंदी है। ऐसे में अल्ट्रासाउंड या अल्ट्रासोनोग्राफी कराने वाले जोड़े या करने वाले डाक्टर, लैब कर्मी को तीन से पांच साल सजा और 10 से 50 हजार जुमार्ने की सजा का प्रावधान है बैठक में उपरोक्त के अलावा उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, सिविल सर्जन, संबंधित विभाग के अधिकारी, चिकित्सकों की टीम, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

छात्र युवाओं के दमन के विरोध में आजसू ने फूंका राज्य सरकार का पुतला

पलामू, (एजेंसी) : जेपीएससी, जेएसएससी और सीजीएल रिफॉर्म की मांग को लेकर आंदोलनरत छात्र-युवाओं के समर्थन में आजसू पार्टी के राज्यव्यापी आह्वान पर पलामू में झारखंड सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन करते हुए बुधवार की शाम पुतला दहन किया गया। इसी क्रम में आजसू कार्यकताओं और पुलिस के बीच पुतला छीनने को लेकर झड़प भी देखने को मिली।

पुलिस की ओर से पुतला छीनने का प्रयास किया गया, लेकिन कार्यकताओं ने विरोध करते हुए पुतला दहन किया।

इस पूरे घटनाक्रम पर आजसू पार्टी पलामू जिला के कार्यकारी अध्यक्ष तुलसी शुक्ला ने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पुलिस पुतला तो नहीं बुझा सकी, लेकिन पुतले का एक हाथ जरूर अपने साथ ले गई। इससे यह साफ है कि सरकार का पुलिसतंत्र रूपी हाथ कट चुका है।

युवा आजसू पलामू प्रभारी राहुल मिश्रा ने कहा कि सरकार छात्र-युवाओं की आवाज सुनने के बजाय पुलिस के बल पर आंदोलन को दबाने में लगी है। केन्द्रीय सचिव विजय मेहता ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सुधार, पारदर्शिता और समयबद्ध व्यवस्था की मांग कर रहे अभ्यर्थियों के साथ सरकार को संवाद करना चाहिए।

डीसी ने बारिश से जलमग्न फसल को लेकर दिया मुआवजा का आश्वासन

पलामू, (एजेंसी) : जिले के कांडी प्रखंड भारी बारिश और सोन नदी के बढ़े जलस्तर से पंडी नदी में आए उफान के कारण कांडी प्र-खंड के दर्जनों गांवों में धान की फसल जलमग्न होकर बर्बाद हो गई है।

बुधवार को गढ़वा के उपायुक्त पशुपतिनाथ मिश्रा ने कांडी प्रखंड क्षेत्र का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कांडी प्रखंड क्षेत्र के भीम बराज पुल का निरीक्षण किया। इसके बाद कोयल नदी पर स्थित सुंडीपुर पुल का जायजा लिया और नारायणपुर पुलिया के समीप जलमग्न खेतों में धान की फसल की स्थिति देखी।

उपायुक्त के निरीक्षण के दौरान भंडरिया, नारायणपुर, चोका, बलियारी, बरवाडीह, सनपुरा सहित आसपास के कई गांवों के किसानों ने अपनी फसल क्षति की जानकारी दी। किसानों ने बताया कि पंडा नदी के तेज बहाव और बारिश का पानी

खेतों में जमा रहने के कारण धान की फसल को भारी नुकसान हुआ है। लंबे समय तक पानी जमा रहने से खेतों में लगी फसल बर्बाद होने की स्थिति में पहुंच गई है।

किसानों की समस्याएं सुनने के बाद उपायुक्त पशुपतिनाथ मिश्रा ने भरोसा दिलाया कि भारी बारिश और जलभराव से फसल क्षति झेलने वाले किसानों को चिन्हित कर नियमानुसार मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उन्होंने प्रभावित किसानों से कहा कि वे अपनी फसल क्षति का आवेदन अंचल कार्यालय में जमा करें, ताकि क्षति का सत्यापन कर आवश्यक कार्रवाई की जा सके। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को भी प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेकर किसानों की क्षति का आकलन करने का निर्देश दिया।

इधर, लगातार हो रही बारिश की वजह से जिले के सोन नदी से सटे क्षेत्रों में सोन नदी के जलस्तर में हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, श्रीवंशीधर नगर ने केतार और खरौंधी थाना क्षेत्र के अंतर्गत सोन नदी के किनारे स्थित विभिन्न संवेदनशील एवं नदी के नजदीक वाले स्थानों का भ्रमण किया।

इस दौरान स्थानीय लोगों को सोन नदी के बढ़ते जलस्तर एवं संभावित खतरे के प्रति जागरूक किया गया। उन्होंने लोगों से नदी के किनारे जाने, जलधारा में प्रवेश करने और बच्चों को नदी के आसपास जाने से रोकने की अपील की। साथ ही, किसी भी आपात स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना देने हेतु लोगों को जागरूक किया गया।

उपभोक्ता आयोग का फैसला: बीमा दावा खारिज करने पर बजाज एलियांज को भरने होंगे 47,360 रुपये

पश्चिमी सिंहभूम, (एजेंसी) : बाइक दुर्घटना के बाद बीमा दावा खारिज करना बजाज एलियांज जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को महंगा पड़ गया। बुधवार को जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, पश्चिमी सिंहभूम ने कंपनी को सेवा में कमी और अनुचित व्यापार व्यवहार का दोषी मानते हुए शिकायतकर्ता मनोज कुमार यादव के पक्ष में फैसला सुनाया है। आयोग ने बीमा कंपनी को कुल 47,360 रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया है। आदेश बुधवार को जारी किया गया।

हाटगम्हरिया थाना क्षेत्र के बांदा कुंडियाधार निवासी मनोज कुमार यादव ने अपनी रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकिल का बीमा बजाज एलियांज से कराया था। बीमा पॉलिसी 9 सितंबर 2024 से 8 सितंबर 2025 तक प्रभावी थी। 26 फरवरी 2025 को दुर्घटना में बाइक क्षतिग्रस्त होने के बाद उन्होंने बीमा कंपनी और चाईबासा स्थित अधिकृत विक्रेता एसपी वेंचर्स से संपर्क किया। डीलर ने वाहन की मरम्मत का अनुमान भी तैयार किया था, लेकिन बीमा कंपनी ने दावा स्वीकार नहीं किया।

बीमा कंपनी की ओर से आयोग के समक्ष तर्क दिया गया कि दुर्घटना की सूचना करीब 34 दिन बाद 1 अप्रैल 2025 को दी गई थी। कंपनी ने दावा प्रक्रिया के लिए आवश्यक दस्तावेज, वाहन की तस्वीरें और वाहन चालक का अनुज्ञप्ति पत्र समेत अन्य कागजात मांगे थे। कंपनी का कहना था कि आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराने के कारण 20 मई 2025 को दावा खारिज किया गया।

मामले की जांच के लिए नियुक्त सर्वेक्षक ने क्षतिग्रस्त वाहन का निर-ीक्षण करने के बाद मरम्मत संबंधी नुकसान का आकलन 32,360 रुपये किया था। सुनवाई के दौरान दुर्घटना की तारीख, सर्वेक्षण रिपोर्ट और चालक के अनुज्ञप्ति पत्र से जुड़े बिंदुओं को लेकर दोनों पक्षों की ओर से अलग-अलग दलीलें रखी गईं।

आयोग ने एसपी वेंचर्स के खिलाफ सेवा में कमी का आरोप प्रमाणित नहीं होने पर शिकायत खारिज कर दी। वहीं बीमा कंपनी के खिलाफ शिकायत को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए सेवा में कमी और अनुचित व्यापार व्यवहार माना।

आयोग ने बजाज एलियांज को 45 दिनों के भीतर मनोज कुमार यादव को 32,360 रुपये बीमा दावा राशि, 10,000 रुपये मानसिक क्षतिपूर्ति और 5,000 रुपये मुकदमा खर्च का भुगतान करने का निर्देश दिया है। निर्धारित अवधि में भुगतान नहीं करने पर 32,360 रुपये की दावा राशि पर नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी देना होगा।

एसआइआर की प्रगति जांचने पहुंचे प्रमंडलीय आयुक्त, मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

चतरा, (एजेंसी) : प्रमंडलीय आयुक्त सह मतदाता सूची प्रेक्षक विजय कुमार गुप्ता ने बुधवार को चतरा एवं सिमरिया विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों और प्रखंड कार्यालयों का निरीक्षण किया। साथ ही उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) -2026 के तहत चल रहे मतदाता सूची की प्रगति का जायजा लिया।चतरा परिसदन में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और सांसद-विधायक प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर एसआइआर कार्य में सहयोग का आह्वान किया गया। इसके बाद आयुक्त ने कान्हाचट्टी के बकचुमा पंचायत स्थित मतदान केंद्र संख्या 496, 497 और 498 का निरीक्षण किया तथा बीएलओ से कार्य की जानकारी ली। कान्हाचट्टी एवं सिमरिया प्रखंड कार्यालय में चल रहे दावा-आपत्ति शिविर का भी निरीक्षण किया।उन्होंने बीएलओ व संबंधित कर्मियों को निर्धारित समयसीमा में कार्य पूरा करने, पात्र 18 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिकों का नाम मतदाता सूची में जोड़ने तथा मतदान केंद्रों पर पेयजल सहित जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी रवींद्र कुमार सहित संबंधित अधिकारी व कर्मी मौजूद रहे।

ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक पुलिसिंग के तहत पुलिस ने बांटी पठन-पाठन सामग्री

पूर्वी सिंहभूम, (एजेंसी) : जिले में सामुदायिक पुलिसिंग के तहत बुधवार को पुलिस की ओर से सुदूरवर्ती ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाया गया। वरीय पुलिस अधीक्षक डॉ एहतेशाम वकारीब के नेतृत्व में पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीण थाना क्षेत्रों का भ्रमण कर स्थानीय विद्यार्थियों के बीच पठन-पाठन सामग्री का वितरण किया।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के साथ अन्य पुलिस पदाधिकारी भी मौजूद थे।

अभियान के दौरान पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों और छात्र-छात्राओं से बातचीत कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली। पुलिस पदाधिकारियों ने ग्रामीणों को डायन प्रथा और

नक्सलवाद जैसी सामाजिक कुरीतियों के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानका-री दी। साथ ही यु-वाओं और ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभाव और नशे के खिलाफ सामूहिक रूप से जागरूक होने के लिए प्रेरित किया गया।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा और जागरूकता के माध्यम से सामाजिक कुरीतियों को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा सकती है। विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करते हुए उन्हें उपलब्ध कराई गई पठन-पाठन सामग्री का बेहतर उपयोग करने की अपील की गई।इस दौरान ग्रामीणों से पुलिस के साथ लगातार संपर्क बनाए रखने और अपने आसपास होने वाली किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने की अपील की गई। पुलिस ने कहा कि सामुदायिक पुलिसिंग का उद्देश्य ग्रामीणों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर उनकी समस्याओं का समाधान करना और समाज में स-ुरक्षा एवं जागरूकता का वातावरण तैयार करना है।

ट्रूथ पथ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से
मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

विज्ञान ज्योति कार्यक्रम में 115 छात्राओं ने किया आईआईटी धनबाद का विजिट

धनबाद। डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (डीएसटी) के विज्ञान ज्योति प्रोग्राम के तहत आईआईटी आईएसएम धनबाद ने नॉलेज पार्टनर के रूप में बुधवार को जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) बर्दवान और जामताड़ा की 115 छात्राओं की मेजबानी की। संस्थान के जीजेएलटी में आयोजित इस प्रोग्राम का मकसद छात्राओं को साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथेमेटिक्स (एसटीईएम) के फील्ड से रूबरू कराना और इन क्षेत्रों में मौजूद अवसरों के बारे में जानकारी देना था। प्रोग्राम की शुरूआत वेलकम नोट के साथ हुई, जिसके बाद कई कीनोट सेशंस आयोजित किए गए। इस दौरान प्रो. मधुलिका गुप्ता, नोडल को-ऑर्डिनेटर, विज्ञान ज्योति प्रोग्राम ने छात्राओं के साथ स्पेशल इंटरैक्शन सेशन किया। प्रोग्राम के एकेडमिक और नॉलेज-शेयरिंग सेगमेंट में आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के फैकल्टी मेंबर्स ने अलग-अलग विषयों पर कीनोट टॉक्स दिए। प्रो. सिंधिया लक्ष्मी, डिपार्टमेंट ऑफ मैथेमेटिक्स एंड कंप्यूटिंग ने कीनोट टॉक दिया। इसके बाद प्रो. सुरेश पी. एलुमलाई, डिपार्टमेंट ऑफ एनवायरनमेंट साइंस इंजीनियरिंग ने छात्राओं को संबोधित किया। प्रो. सुनील पुलेटिकुरती, डिपार्टमेंट ऑफ केमिस्ट्री एंड केमिकल बायोलॉजी ने भी एक कीनोट सेशन लिया। इन सेशंस के दौरान छात्राओं को अलग-अलग एकेडमिक डिसिप्लिन से जुड़े फैकल्टी मेंबर्स से बातचीत करने और एसटीईएम से जुड़े क्षेत्रों को बेहतर तरीके से समझने का मौका मिला। इसके बाद जीजेएलटी डोम में लंच का आयोजन किया गया। प्रोग्राम के अंतिम चरण में छात्राओं ने आई2एच का विजिट किया, जहां उन्हें आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के इनोवेशन इकोसिस्टम और टेक्नोलॉजी से जुड़े कामों को करीब से जानने का अवसर मिला। यह विजिट विज्ञान ज्योति प्रोग्राम के व्यापक उद्देश्य के तहत आयोजित किया गया, जिसका लक्ष्य छात्राओं को एसटीईएम एजुकेशन और करियर के लिए प्रेरित करना तथा साइंस और टेक्नोलॉजी के क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना है।

इस्तीफा वापस लिया, फिर संगठन की कमान संभालेंगे लाल बाबू सिंह कुशवाहा महासभा की बैठक में बनी सहमति

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। झारखंड कुशवाहा महासभा की संगठनात्मक स्थिति और आगामी चुनाव प्रक्रिया को लेकर बुधवार को धनबाद के गांधी नगर स्थित कमलोदय भवन में आपात बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सलाहकार समिति के संरक्षक अनिल सिंह ने की। बैठक में आगामी संगठनात्मक चुनाव की प्रक्रिया के साथ-साथ धनबाद जिला अध्यक्ष लाल बाबू सिंह के इस्तीफे से उत्पन्न स्थिति और संगठन की वर्तमान स्थिति पर चर्चा की गई। प्रदेश अध्यक्ष हाकिम प्रसाद महतो, केंद्रीय समिति के पदाधिकारियों, जिला के आजीवन सदस्यों, चुनाव सलाहकार समिति के सदस्यों तथा समाज के प्रबुद्धजनों ने संगठन की एकता, लोकतांत्रिक व्यवस्था और चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने पर अपने विचार रखे। बैठक में मौजूद सदस्यों और समाज के प्रबुद्धजनों ने जिला अध्यक्ष लाल बाबू सिंह से अपने इस्तीफे पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया। संगठनहित और सदस्यों के आग्रह को देखते हुए लाल बाबू सिंह कुशवाहा ने अपना इस्तीफा वापस लेने की घोषणा की। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष हाकिम प्रसाद महतो ने लाल बाबू सिंह का इस्तीफा वापस लेने के निर्णय का स्वागत करते हुए उन्हें पूर्ववत समाज की सेवा करने तथा संगठन को मजबूत, एकजुट और लोकतांत्रिक तरीके से आगे बढ़ाने का आह्वान किया। बैठक में संगठन की एकता बनाए रखने और आगामी चुनाव को आपसी समन्वय के साथ संपन्न कराने पर जोर दिया गया। बैठक में प्रशिक्षण प्रभारी संजय शान, प्रदेश उपाध्यक्ष रविंद्र वर्मा, प्रदेश सचिव उचित महतो, जिला अध्यक्ष लाल बाबू सिंह, सविंद्र सिंह, राम प्रसाद महतो, सत्येंद्र प्रसाद, अशोक कुमार महतो, सतीश प्रसाद, उमेश कुशवाहा, प्रियांशी नारायण महतो, रमाशंकर सिंह, मुन्ना प्रसाद, विजय कुमार, यशपाल सिंह कुशवाहा, कमलेश कुमार सिंह, अवधेश सिंह, तारकेश्वर सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं समाज के प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

श्रीकृष्ण जन्म कथा और कीर्तन से गूंजा धनबाद तीन दिवसीय वृंदावन जन्माष्टमी महोत्सव शुरू

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। इस्कॉन वृन्दावन विहार द्वारा आयोजित तीन दिवसीय वृंदावन जन्माष्टमी महोत्सव का बुधवार को क्लार्क्स इन रिजॉर्ट, धनबाद में शुभारंभ हुआ। महोत्सव के प्रथम दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और श्रीकृष्ण जन्म कथा एवं भक्ति-कीर्तन का आनंद लिया। महोत्सव के पहले दिन श्रीकृष्ण जन्म कथा का आयोजन किया गया। कथावाचक सुन्दर गोविन्द प्रभु ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म एवं उनके जीवन से जुड़े प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा के दौरान श्रद्धालु भक्ति में भाववि भोर नजर आए। कथा के साथ भक्तों ने सामूहिक कीर्तन में भाग लिया, जिससे पूरा वातावरण कृष्णमय हो गया। इस्कॉन धनबाद की ओर से आयोजित इस तीन दिवसीय महोत्सव में श्रद्धालुओं के लिए कथा, कीर्तन और महाप्रसाद की विशेष व्यवस्था की गई है। मंदिर प्रबंधक श्रीमंत सुंदर गोविंद दास ने बताया कि जन्माष्टमी महोत्सव के आगामी दिनों में विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने धनबादवासियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति और आध्यात्मिक आनंद का लाभ उठाने की अपील की। 2 से 4 सितंबर तक चलने वाले महोत्सव में आगामी दिनों में श्रीकृष्ण जन्म कथा, अधिवास समारोह, सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रभुपाद लीलामृत, भगवान को 56 भोग, महाआरती सहित कई धार्मिक आयोजन होंगे।

राष्ट्रीय पर्यावरण कार्यशाला में राज्यपाल संतोष गंगवार होंगे मुख्य अतिथि

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। आईआईटी आ-ईएसएम धनबाद में 20 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय कार्यशाला में झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। बुधवार को आरोग्य भारती झारखंड प्रांत एवं आईआईटी (आईएसएम) धनबाद की आयोजन समिति के प्रतिनिधिमंडल ने राजभवन पहुंचकर राज्यपाल से मुलाकात की और उन्हें राष्ट्रीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का औपचारिक आमंत्रण दिया। आयोजन समिति के अनुरोध को स्वीकार करते हुए राज्यपाल संतोष गंगवार ने 20 सितंबर को आईआ-ईटी (आईएसएम) धनबाद आने की सहमति दी। राज्यपाल की स्वीकृति से आयोजन समिति में उत्साह का माहौल है। राष्ट्रीय कार्यशाला में देश के जाने-माने

पर्यावरणविद्, विशेषज्ञ एवं विषय के जानकार शामिल होंगे। कार्यशाला के दौरान स्थानीय, क्षेत्रीय और वैश्विक पर्यावरणीय चुनौतियों पर व्यापक मंथन किया जाएगा। पर्यावरण संरक्षण, बदलते पर्यावरणीय परिदृश्य तथा उससे जुड़ी चुनौतियों के समाधान को लेकर विशेषज्ञ अपने विचार और सुझाव रखेंगे। आयोजन समिति के अनुसार कार्यशाला में होने वाली चर्चा एवं विशेषज्ञों की सिफारिशों को संकलित कर भारत सरकार को भेजा जाएगा, ताकि पर्यावरण से जुड़ी नीतियों में आवश्यक एवं प्रभावी संशोधन किए जा सकें और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में ठोस कदम उठाए जा सकें। राजभवन में राज्यपाल को आमंत्रित करने के दौरान आयोजन समिति के सदस्य प्रो. अंशुमाली, अरुण राय, जय प्रकाश नारायण सिंह, डॉ. विकास रमन एवं पवन अग्रवाल उपस्थित थे।

स्मार्ट मीटर से रोजगार संकट, ऊर्जा मित्रों का महाजुटान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। स्मार्ट मीटर लगाए जाने के कारण उत्पन्न रोजगार संकट और लंबे समय से वेतन भुगतान में हो रही अनियमितताओं के खिलाफ झारखंड राज्य ऊर्जा मित्र संघ ने बुधवार को धनबाद के धैया स्थित आमंत्रण ग्रीन्स में बुधवार को विशाल महाजुटान एवं मिलन समारोह का आयोजन किया। संघ के संरक्षक वैभव सिन्हा की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में झारखंड के सभी 24 जिलों से लगभग 1000 ऊर्जा मित्र शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड राज्य ऊर्जा मित्र संघ के संस्थापक सह प्रदेश अध्यक्ष संतोष कुशवाहा उपस्थित रहे। महाजुटान में राज्यभर से आए ऊर्जा मित्रों ने अपनी समस्याओं, भविष्य की चुनौतियों और संगठनात्मक आंदोलन की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। ऊर्जा मित्रों ने कहा कि राज्य में तेजी से स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद पारंपरिक मीटर रीडिंग सहित कई कार्यों की आवश्यकता कम होती जा रही है। इसका सीधा प्रभाव वर्षों से इस कार्य से जुड़े ऊर्जा मित्रों के रोजगार पर पड़ रहा है। सर्वसम्मति से सरकार से मांग की गई कि वर्षों से बिजली विभाग से जुड़े ऊर्जा मित्रों को मानव दिवस कर्मी के रूप में समायोजित कर उनके रोजगार की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

धनबाद में 73 आंगनबाड़ी मॉडल सेंटर बनेंगे

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। जिले के 73 आंगनबाड़ी केंद्रों को मॉडल सेंटर बनाया जाएगा। इसकी तैयारी चल रही है। निगम क्षेत्र में बाबूडीह मॉडल आंगनबाड़ी की तर्ज पर हीं 73 नए आधुनिक आंगनबाड़ी भवन बनाए जाएंगे। डीसी आदित्य रंजन ने बताया कि इसके लिए डीएमएफटी फंड से लगभग 14 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जाएंगे। खास बात यह है कि इन केंद्रों को प्राइवेट प्ले स्कूल की तर्ज पर विकसित किया जाएगा, जहां बच्चों को पढ़ाई के साथ बेहतर माहौल और आधुनिक सुविधाएं भी मिलेंगी। वही आंगनबाड़ी केंद्र सिर्फ बच्चों की पढ़ाई और पोषण तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि उन्हें आधुनिक और आकर्षक प्ले स्कूल की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। इन मॉडल आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के लिए एलईडी स्क्रीन, आरओ फिल्टर से शुद्ध पेयजल, पोषण वाटिका, मॉड्यूलर किचन, झूले और खेलने की जगह उपलब्ध होगी। इसके अलावा आकर्षक वॉल पेंटिंग, बेहतर रोशनी और हवादार कमरे भी बनाए जाएंगे। यानी बच्चों को पढ़ाई के साथ ऐसा वातावरण देने की कोशिश होगी, जो उन्हें निजी प्ले स्कूल जैसा अनुभव दे सके।इस योजना की प्रेरणा धनबाद के बाबूडीह स्थित सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र से ली गई है। मॉडल बनने के बाद यहां बच्चों की संख्या में भी इजाफा हुआ है। पहले जहां करीब 20 से 25 बच्चे आते थे, वहीं अब 50 से अधिक बच्चे केंद्र पहुंच रहे हैं। विधायक राज सिन्हा सांसद ढुलू महतो , और वार्ड पार्षद अशोक पाल भी बाबूडीह मॉडल आंगनबाड़ी की तारीफ कर चुके हैं।

कुड़मी समाज को एसटी का दर्जा की मांग हुई तेज

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। कुड़मी समाज को आदिवासी (एसटी) सूची में शामिल करने की मांग को लेकर आंदोलन एक बार फिर तेज होने लगा है। आदिवासी कुड़मी समाज, झारखंड राज्य समिति ने 20 सितंबर को कोड़ाडीह में करम पर्व के अवसर पर करम/महाजुटान आयोजित करने का निर्णय लिया है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समाज ने व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाने की रणनीति तैयार की है। इसी सिलसिले में लोपचांची वाटर बोर्ड स्थित लेक व्यू रेस्ट हाउस में समाज की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष शंसाक शेखर महतो ने की, जबकि संचालन प्रदेश मुख्य महासचिव डॉ. निरिश कुमार महतो ने किया। बैठक में मुख्य वक्ता मूलमानता अजीत प्रसाद महतो, केंद्रीय उपाध्यक्ष हीरा लाल महतो, महासचिव ज्योतिष्वर नाथ/नारायण महतो, केंद्रीय संयोजक (भाषा-संस्कृति) डॉ. दीपक पुनियार, प्रदेश अध्यक्ष रंजन नाथ महतो, प्रदेश सलाहकार अधिवक्ता तारेश्वर महतो, प्रदेश सचिव मणि लाल बंसरी/बंशीधर, मन्दू महतो, हलधर महतो, डॉ. धनशेखर विद्यार्थी, संतोष कुमार महतो, बिष्णुभान महतो और सुबोध प्रसाद महतो सहित समाज के कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे। बैठक में कुड़मी समाज को आदिवासी सूची में शामिल करने की मांग को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। वक्ताओं ने कहा कि समाज की भाषा, संस्कृति, परंपरा और सामाजिक पहचान से जुड़े मुद्दों को भी मजबूती से उठाने की जरूरत है। महाजुटान को आंदोलन की दिशा में महत्वपूर्ण पड़ाव बताते हुए इसे व्यापक स्तर पर सफल बनाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम की तैयारियों में सदानंद महतो, सुरेश प्रसाद महतो, मधुसूदन महतो, विनोद बिहारी महतो, रोहन महतो, रमेश प्रसाद महतो, उप्रकाश महतो, मुरलीधर महतो सहित अन्य लोगों की सराहनीय भूमिका रही।

धनबाद स्टेशन में ट्रेन से 130 लीटर शराब और बीयर बरामद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। धनबाद रेलवे स्टेशन में आरपीएफ की स्पेशल टास्क टीम ने हावड़ा दिल्ली कालका मेल ट्रेन संख्या 13051 के जनरल कोच से 130 लीटर केन बीयर और अंग्रेजी शराब बरामद की है। शराब की कुल कीमत करीब 38 हजार 160 रुपये बताई गई है। बरामद शराब की बोतलों और बीयर केन पर फॉर सेल इन वेस्ट बंगाल लिखा हुआ है। आरपीएफ ने शराब को जब्त कर लिया है और आगे की कार्रवाई के लिए उत्पाद विभाग को सौंप दिया है। आरपीएफ से मिली जानकारी के अनुसार वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त, धनबाद के निर्देशन में आरपीएफ की स्पेशल टास्क टीम बुधवार को धनबाद रेलवे स्टेशन पर गश्त और निगरानी कर रही थी। इसी दौरान ट्रेन संख्या 13051 प्लेटफॉर्म संख्या-3 पर पहुंची। ट्रेन

के पीछे वाले जनरल कोच की जांच के दौरान आरपीएफ जवानों को छह बैग और दो थैले संदिग्ध अवस्था में पड़े मिले। टीम ने कोच में मौजूद यात्रियों से बैग और थैलों के मालिकाना हक को लेकर पूछताछ की, लेकिन किसी भी यात्री ने सामान पर अपना दावा नहीं किया। इसके बाद आरपीएफ जवानों ने सभी बैग और थैलों को खोलकर जांच की। जांच में बड़ी मात्रा में केन बीयर और अंग्रेजी शराब बरामद हुई। ट्रेन के कम ठहराव को देखते हुए सामान को प्लेटफॉर्म संख्या-3 के हावड़ा छोर पर उतारकर गवाहों की मौजूदगी में इसकी जांच की गई। आरपीएफ ने इसे प्रतिबंधित सामग्री मानते हुए गवाहों के समक्ष जब्त कर लिया और सभी सामान को आरपीएफ पोस्ट धनबाद लाया गया।

महुदा बाजार में 100 केवी के ट्रांसफार्मर का उद्घाटन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। महुदा बाजार मारवाड़ी पट्टी में बुधवार को 100 केवी के नये ट्रांसफार्मर का उद्घाटन भाजपा नेता शेखर सिंह ने किया। नया ट्रांसफार्मर चालू होने से स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली। इस मौके पर शेखर सिंह ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से महुदा बाजार के लोग बिजली की समस्या से परेशान थे। बिजली आपूर्ति बाधित रहने से आम जनजीवन प्रभावित होने के साथ-साथ बच्चों की पढ़ाई पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा था। स्थानीय लोगों की समस्या को देखते हुए बिजली विभाग से बातचीत कर नया ट्रांसफार्मर लगवाया गया। उन्होंने कहा कि नये ट्रांसफार्मर के चालू होने से क्षेत्र में बिजली व्यवस्था बेहतर होने की उम्मीद है। इससे विद्यार्थियों की पढ़ाई के साथ लोगों के रोजमर्रा के कामकाज में भी सुविधा होगी। मौके पर समाजसेवी विकास कुमार अग्रवाल, पंसस मुकुंद महतो, पूर्व पंसस सुशील कुमार अग्रवाल समेत बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे।

धनबाद भवन प्रमंडल में टेंडर एग्रीमेंट को लेकर मचा बवाल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। भवन प्रमंडलकार्यालय में टेंडर को लेकर बुधवार को जमकर हंगामा हुआ। टेंडर प्रक्रिया के बाद एग्रीमेंट के लिए जमशेदपुर से पहुंचे संवेदकों का स्थानीय संवेदकों ने विरोध किया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई। घटना की सूचना मिलते ही सदर पुलिस मौके पर पहुंची और दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी।बताया जा रहा है कि भवन प्रमंडल की ओर से करीब ढाई करोड़ रुपये का ऑनलाइन टेंडर जारी किया गया था, टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद जमशेदपुर से कुछ संवेदक एग्रीमेंट के सिलसिले में भवन प्रमंडल कार्यालय पहुंचे थे। इसी दौरान स्थानीय संवेदकों ने बाहरी संवेदकों को काम मिलने का विरोध किया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई और मामला मारपीट तक पहुंच गया। स्थानीय संवेदकों के हितों को भी ध्यान में रखने का आग्रह स्थानीय संवेदकों का आरोप है कि धनबाद के संवेदकों को लगातार काम से वंचित किया जा रहा है, जबकि दूसरे जिलों के संवेदकों को टेंडर के जरिए काम मिल रहा है। उनका कहना है कि स्थानीय संवेदकों के हितों को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए।घटना के बाद पुलिस भवन प्रमंडल कार्यालय पहुंची और मामले की जानकारी ली। पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। फिलहाल पूरे मामले की जांच की जा रही है।भवन प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता चंदन कुमार ने बताया कि कार्यालय परिसर में विवाद और मारपीट की सूचना मिली है। मामले की जांच के लिए टीम गठित की गई है,जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि विवाद की शुरूआत कैसे हुई और घटना के पीछे वास्तविक कारण क्या था।

डीड राइटर एसोसिएशन ने सांसद को सौंपा ज्ञापन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। धनबाद में 18 अगस्त से नेशनल जेनेरिक डॉक्यूमेंट रजिस्ट्रेशन सिस्टम और तकनीकी लिंक की खराबी के साथ-साथ मतदाता सूची के विशेष गहन पुनर-ीक्षण कार्य में कर्मचारियों की प्रतिनियुक्ति के कारण रजिस्ट्री कार्यालय का कामकाज लगभग बंद है। इस गंभीर समस्या को लेकर जिले के अधिवक्ताओं, डीड राइटरों ने धनबाद के सांसद ढुलू महतो को संयुक्त ज्ञापन सौंपकर तत्काल मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि रजिस्ट्री कार्य बाधित होने से आम नागरिकों, क्रेता-विक्रेताओं, अधिवक्ताओं, डीड राइटर्स, स्टांप वेंडरों और टाइपिस्टों की आजी-विका पर सीधा असर पड़ रहा है। जमीन- मकान के लेन-देन में एड-वांस पेमेंट या बैंक लोन लेने वाले लोगों को भारी वित्तीय नुकसान और विवादों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा, स्टांप ड्यूटी और निबंधन शुल्क न आने से राज्य सरकार को भी राजस्व का बड़ा नुकसान हो रहा है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की है कि एनजीड-ीआरएस सर्वर, इंटरनेट लिंक और सॉμटवेयर से जुड़ी तकनीकी खामियों को अविलंब ठीक कराया जाए। साथ में एसआईआर ड्यूटी के महत्व का सम्मान करते हुए, निबंधन कार्यालय के लिए अतिरिक्त व वैकल्पिक मानव संसाधन उपलब्ध कराए जाएं ताकि दोनों कार्य समानांतर चल सकें। वहीं बंद के दौरान लंबित हुए निबंधन मामलों के त्वरित निपटारे के लिए विशेष अभियान, अतिरिक्त कार्य दिवस या विस्तारित कार्य घंटे तय किए जाएं। ज्ञापन में यह भी मांग की है कि भविष्य में किसी तकनीकी खराबी या विशेष ड्यूटी के कारण नागरिक सेवाएं पूरी तरह ठप न हों, इसके लिए ठोस व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। प्रतिनिधिमंडल ने सांसद से आग्रह किया है कि वे इस गंभीर जनहित के मुद्दे को राज्य के मुख्यमंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री, मुख्य सचिव तथा उपायुक्त धनबाद के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाकर संपत्ति निबंधन सेवा को तत्काल सुचारू कराएं। प्रतिनिधि मंडल में अधिवक्ता सह धनबाद तथा गोविंदपुर डीड राइटर एसोसिएशन के अध्यक्ष डी.पी. मु-खर्जी, सचिव चंद्रशेखर चौधरी, उपाध्यक्ष रंजन लाला, अधिवक्ता चंचल मुखर्जी, अधिवक्ता एस.के. मुखर्जी, दिलीप श्रीवास्तव, मुकेश चौबे व अन्य लोग शामिल थे।

03-09-2026 T.P. Page 4_Layout 1 03-09-2026 07:10 Page 1

संक्षिप्त खबरें

खेलगांव में तीन से 15 सितंबर तक होगी सेना भर्ती रैली

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । खेलगांव स्थित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, होटवार में तीन से 15 सितंबर 2026 तक सेना भर्ती रैली आयोजित की जाएगी। इसी क्रम में बड़ी संख्या में झारखंड के विभिन्न जिलों से अभ्यर्थियों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन और रांची पुलिस ने सुरक्षा, यातायात और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर व्यापक तैयारी की है। रैली की तैयारियां एक सितंबर 2026 से शुरू हो चुकी हैं। उपायुक्त और वरीय पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त आदेश जारी कर 12 महत्वपूर्ण स्थानों पर मजिस्ट्रेट और पुलिस बल की तैनाती का निर्देश दिया है।

रेस्ट एरिया, फुटबॉल मैदान, हैंगर, टावर नंबर-3 और 4, स्टेडियम परिसर, मुख्य गेट, मेडिकल जांच गेट-2 और मेन रोड सहित अन्य स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। बताया गया कि जरूरत के हिसाब से अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया जाएगा। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए अस्थायी शौचालय, पेयजल टैंकर, वाटर टैप, बसें, सफाई और कचरा प्रबंधन की व्यवस्था की जाएगी। बिजली आपूर्ति, जनरेटर, लाइट, पंखे और कूलर की व्यवस्था भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। दस्तावेजों की ऑनलाइन जांच के लिए कंप्यूटर और डेटा एंट्री ऑपरेटर उपलब्ध रहेंगे। मेडिकल टीम, महिला-पुरुष चिकित्सक, एंबुलेंस और कॉमन रूम की व्यवस्था रहेगी। यातायात नियंत्रण के लिए रूट प्लान लागू किया जाएगा। रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर दलालों से सावधान रहने का प्रचार किया जाएगा।

प्रशासन ने अभ्यर्थियों से मूल दस्तावेज सुरक्षित रखने, किसी को पैसे नहीं देने और ठगी से बचने की अपील की है।

जेपीएससी मुद्दे पर छात्रों के नाम पर राजनीति कर रही भाजपा : विनोद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं के मुद्दे पर भाजपा के आंदोलन और 48 घंटे के अल्टीमेटम को राजनीतिक नौटंकी बताया है। उन्होंने कहा कि भाजपा छात्रों की पीठ के पीछे छिपकर राजनीति करने के बजाय सीधे मैदान में उतरकर मुकाबला करे।

उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य की चिंता है तो पार्टी को राजनीतिक और कानूनी लड़ाई खुले तौर पर लड़नी चाहिए। विनोद पांडेय ने बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ स्वीकार नहीं होगा, लेकिन उनके आंदोलन को राजनीतिक हथियार बनाना भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने भाजपा से कहा कि राजनीतिक लड़ाई लड़नी है तो सीधे मैदान में आए और कानूनी लड़ाई लड़नी है तो कानून का रास्ता अपनाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा को छात्रों से ज्यादा अपनी राजनीतिक जमीन की चिंता है।

विनोद पांडेय ने कहा कि जब सीबीआई जांच से जुड़ा मामला न्यायालय में विचाराधीन है, तब मुख्य सचिव पर दबाव बनाने की कोशिश भाजपा की मंशा पर सवाल खड़े करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा केंद्रीय जांच एजेंसियों के इस्तेमाल में माहिर रही है और अब सीबीआई जांच की मांग की आड़ में कथित परीक्षा धांधली से जुड़े लोगों को बचाने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने छात्रों की मांगों को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक निर्णय लिए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर सीआईडी लगातार कार्रवाई कर रही है और जांच आगे बढ़ने के साथ कथित धांधली से जुड़े लोगों पर शिकंजा कस रहा है। इसी कार्रवाई से भाजपा घबराई हुई है।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर दही हांडी प्रतियोगिता के लिए हुआ भूमि पूजन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, : श्री कृष्ण जन्मोत्सव एवं दही हांडी प्रतियोगिता आयोजन समिति, मोरहाबादी की ओर से दो दिवसीय श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का शुभारंभ तीन सितंबर 2026 से होगा। वहीं चार सितंबर 2026 को मोरहाबादी मैदान में भव्य दही हांडी प्रतियोगिता, भजन संध्या और रासलीला का आयोजन होगा। यह जानकारी देते हुए कार्यक्रम के आयोजक राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

इसी क्रम में बुधवार को मोरहाबादी मैदान में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ दही हांडी स्थल का भूमि पूजन किया गया। समिति के मुख्य संरक्षक राजीव रंजन प्रसाद ने पूजा-अर्चना कर स्थल निर्माण कार्य का शुभारंभ किया।

उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण जन्मोत्सव को लेकर रांचीवासियों में उत्साह है और बच्चों, युवाओं और श्रद्धालुओं के लिए आकर्षक कार्यक्रम रखे गए हैं। उन्होंने लोगों से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की।

कार्यक्रम में अध्यक्ष विनोद गोप, मनोज गुप्ता, सचिव रोहित सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष राहुल किट्टू सिंह, वेद प्रकाश, मनोज कुमार सहित अन्य पदाधिकारी, सदस्य एवं श्रद्धालु मौजूद थे।

जेपीएससी भर्ती सुधार यात्रा पहुंची पंच परगना, जनजागरण जारी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, जेपीएससी-जेएसएससी सहित अन्य नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता और भर्ती व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो के नेतृत्व में चल रही भर्ती व्यवस्था सुधार यात्रा बुधवार को अपने 10वें दिन रांची जिले के पंच परगना क्षेत्र पहुंची।

यात्रा के दौरान छात्रों और आम लोगों से जनसंपर्क कर नियुक्ति प्रक्रिया में कथित धांधली और अनियमितताओं के खिलाफ जनजागरूकता अभियान चलाया गया। आयोजकों के अनुसार यात्रा अब तक राज्य के लगभग आधे भौगोलिक क्षेत्र का भ्रमण कर चुकी है।

यात्रा की शुरूआत सिल्ली के झारखंड मोड़ स्थित शहीद निर्मल महतो की प्रतिमा पर माल्यार्पण के

साथ हुई। इसके बाद यात्रियों ने बुंडू मोड़, बंता चौक, पतराहातू, सोनाहातू बाजारटांड़, जमुदाग और जादैया चौक सहित विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण किया।

इस अवसर पर यात्रा का नेतृत्व कर रहे देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि पंच परगना क्षेत्र में छात्रों और आम लोगों में यात्रा को लेकर उत्साह है। उन्होंने आरोप लगाया कि नियुक्ति प्रक्रिया में लगातार सामने आ रही अनियमितताएं सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती हैं। उन्होंने सरकार से भर्ती प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की मांग की, ताकि युवाओं को उनका अधिकार मिल सके। उन्होंने बताया कि गुरुवार को यात्रा कोल्हान क्षेत्र में प्रवेश करेगी। यात्रा का उद्देश्य पूरे राज्य में भर्ती व्यवस्था में सुधार को लेकर जनजागरण करना है। युवाओं के हित में भरोसेमंद व्यवस्था बनने तक छात्रों की आवाज मजबूती से उठाई जाएगी।

यात्रा में केसी मेहता, कृष्णा महतो, जाकिर खान, वीरेंद्र महतो, कुलदीप महतो, मदन महतो, राधिका कुमारी, अनूप महतो, अनिता कुमारी, राजेश प्रसाद समेत छात्र, अभिभावक सहित बडी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद थे।

पिकअप वैन को ओवरटेक करने के दौरान बस से टकराई बाइक, 20 वर्षीय छात्र की मौत

खूंटी, (एजेंसी) : खूंटी-रांची मुख्य मार्ग पर तजना लाइन होटल के समीप बुधवार को हुई सड़क दुर्घटना में बाइक सवार 20 वर्षीय छात्र की मौत हो गई। मृतक की पहचान सलमान शहीद के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, सलमान ने इसी वर्ष डोरंडा कॉलेज, रांची में बीए सेमेस्टर-वन में नामांकन लिया था। बुधवार को वह अपनी बाइक से कॉलेज जाने के लिए रांची की ओर जा रहा था।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, तजना लाइन होटल के पास वह आगे चल रही एक पिकअप वैन को ओवरटेक करने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही अमित नामक यात्री बस से उसकी बाइक की सीधी टक्कर हो गई।टक्कर इतनी जोरदार थी कि सलमान गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

दुर्घटना के बाद यात्री बस का चालक बस लेकर सीधे खूंटी थाना पहुंचा और थाना परिसर में बस खड़ी कर खुद को पुलिस के समक्ष प्रस्तुत कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही मृतक के स्वजन और पाशा कॉलोनी समेत आसपास के बड़ी संख्या में लोग सदर अस्पताल पहुंच गए। सलमान की असामयिक मौत की खबर से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जन समाधान दिवस में छात्राओं ने बताई सड़क की समस्या, उपायुक्त ने तत्काल दुरुस्त कराने का दिया निर्देश

पलामू, (एजेंसी) : पलामू समाहरणालय सभागार में बुधवार को आयोजित जन समाधान दिवस में पाटन प्रखंड के किसैनी गांव से पहुंची कक्षा 10वीं की छात्राओं ने विद्यालय जाने वाली जर्जर सड़क की समस्या उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत के समक्ष रखी। छात्राओं की शिकायत पर उपायुक्त ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को सड़क को आवागमन योग्य बनाने का निर्देश दिया।

छात्राओं ने बताया कि वे प्रतिदिन साइकिल से विद्यालय जाती हैं। लगातार बारिश के कारण विद्यालय जाने वाली सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। इससे आए दिन दुर्घटनाएं होती हैं और कई बार छात्राओं को चोट भी लग चुकी है।उन्होंने बताया कि उनकी सुरक्षा को लेकर अब अभिभावक भी उन्हें विद्यालय भेजने से हिचक रहे हैं। इससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। छात्राओं ने कहा कि वे कक्षा 10वीं में हैं और बोर्ड परीक्षा की तैयारी के महत्वपूर्ण समय में सड़क की समस्या के कारण पढ़ाई प्रभावित होने से उनके परीक्षा परिणाम पर भी असर पड़ सकता है।छात्राओं की समस्या सुनने के बाद उपायुक्त ने तत्काल मामले का संज्ञान लिया। उन्होंने कहा कि सड़क का स्थायी निर्माण लंबी प्रक्रिया है और इसे तुरंत पूरा कर पाना संभव नहीं है। हालांकि, फिलहाल सड़क को आवागमन योग्य बनाने के लिए आवश्यक व्यवस्था की जा सकती है।

उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को सड़क पर डस्ट सहित अन्य आवश्यक सामग्री डालकर तत्काल उसे चलने योग्य बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में परेशानी नहीं होनी चाहिए और उनकी पढ़ाई किसी भी स्थिति में बाधित नहीं होनी चाहिए। जन समाधान दिवस में इसके अलावा भूमि विवाद, सार्वजनिक रास्ता रोकने, अयोग्य लाभुकों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिए जाने, दाखिल-खारिज, राजस्व, स्वास्थ्य, आपूर्ति, पेयजल, शिक्षा और कल्याण विभाग से संबंधित आवेदन भी प्राप्त किए गए।

निगम ने नियमों के उल्लंघन पर पांच कोचिंग संस्थानों को किया सील

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची।छात्र-छात्राओं की सुरक्षा और भवन मानकों के पालन को लेकर रांची नगर निगम की कार्रवाई लगातार जारी है। विशेष जांच अभियान के तहत बुधवार को हरिओम टावर में संचालित पांच कोचिंग संस्थानों को नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर सील कर दिया गया।

इसके साथ ही नगर निगम ने 18 कोचिंग संस्थानों के खिलाफ सीलिंग की प्रक्रिया शुरू की है।

सील किए गए संस्थानों में द पाठशाला, पतंजलि आईएएस एकेडमी, मोशन एकेडमी, क्लैट प्रिपरेशन और चैतन्या आईएएस एकेडमी शामिल हैं। जांच के दौरान फायर एनओसी, अग्निशमन उपकरण, अग्नि सुरक्षा व्यवस्था, विद्युत सुरक्षा, पर्याप्त वेंटिलेशन, सुरक्षित प्रवेश-निकास, क्षमता के अनुरूप नामांकन, पर्याप्त जगह, ट्रेड लाइसेंस सहित भवन संबंधी मानकों की जांच की गई।

नगर निगम के अनुसार संबंधित संस्थानों में फायर एनओसी, अग्नि सुरक्षा, प्रवेश-निकास, वेंटिलेशन और पर्याप्त जगह सहित कई मानकों में गंभीर कमियां मिलीं।

साथ ही कोचिंग संस्थानों की ओर से झारखंड नगरपालिका अधिनियम और झारखंड म्यूनिसिपल ट्रेड लाइसेंस रूल्स, 2017 के प्रावधानों का पालन नहीं पाया गया था। संस्थान बिना वैध ट्रेड लाइसेंस संचालित मिले।

अनियमितताएं मिलने पर राजस्व और नगर निवेशक शाखा ने नोटिस जारी कर तीन दिन में अनुपालन का अवसर दिया था। अवधि समाप्त होने के बावजूद सुधार नहीं होने पर सीलिंग की कार्रवाई की गई।

नगर निगम ने स्पष्ट किया कि अभियान का उद्देश्य कार्रवाई के साथ विद्यार्थियों को सुरक्षित और मानक शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना है। शेष चिन्हित संस्थानों पर भी नियमानुसार कार्रवाई जारी है। सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

टाटा ट्रस्ट्स ने डिमेंशिया की समय पर पहचान पर दिया जोर, वजूद रहे मौजूद अभियान से बढ़ाई जागरूकता

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची: विश्व अल्जाइमर माह के अवसर पर टाटा ट्रस्ट्स ने ह्यवजूद रहे मौजूदह्ल अभियान के माध्यम से डिमेंशिया की समय पर पहचान और निदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने की पहल की है। भारत में करीब 88 लाख बुजुर्ग डिमेंशिया के साथ जीवन बिता रहे हैं, जबकि करीब 90 प्रतिशत मामलों का निदान नहीं हो पाता है। वर्ष 2036 तक डिमेंशिया से प्रभावित लोगों की संख्या 1.69 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। अभियान के जरिए लोगों से याददाश्त, व्यवहार और रोजमर्रा के काम करने की क्षमता में होने वाले बदलावों को उम्र का सामान्य असर मानकर नजरअंदाज नहीं करने की अपील की गई है। टाटा ट्रस्ट्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी

सिद्धार्थ शर्मा ने कहा कि डिमेंशिया आने वाले वर्षों में भारत के लिए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य चुनौती बन सकता है और शुरूआती पहचान के साथ प्रभावित लोगों तथा उनके देखभालकताओं के लिए मजबूत व्यवस्था जरूरी है। टाटा ट्रस्ट्स के वरिष्ठ स्वास्थ्य सलाहकार डॉ. अनुर कुरपाड ने समय रहते निदान के साथ मधुमेह, उच्च रक्तचाप और जीवनशैली से जुड़े जोखिम कारकों पर ध्यान देने की जरूरत बताई। अभियान में चिकित्सकों, देखभालकताओं और शुरूआती अवस्था के डिमेंशिया से जीवन बिता रहे लोगों को शामिल किया गया है। टाटा ट्रस्ट्स तेलंगाना में ह्यएल्डर स्प्रिंगह्ल और ह्यएल्डर लाइन 14567ह्ल जैसी पहलों के साथ सेंटर फॉर ब्रेन रिसर्च के टाटा लॉन्गिट्यूडिनल स्टडी ऑफ एजिंग तथा डिमेंशिया इंडिया अलायंस को भी सहयोग दे रहा है। अभियान में देश में डिमेंशिया से प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के लिए एकीकृत देखभाल व्यवस्था मजबूत करने की जरूरत पर भी जोर दिया गया है।

नाले के मुहाने पर स्कूल, बारिश में जलजला बनी दीवारें-दहशत में पढ़ रहे नौनिहाल

पलामू, (एजेंसी) : जिले के हैदरनगर प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय बभनडीह के नौनिहाल जान हथेली पर रखकर पढ़ने को विवश हैं। नाले से सटे विद्यालय भवन में बारिश का पानी घुसने से दीवारों में सीलन और जलजला की स्थिति उत्पन्न हो गई है। लगातार पानी के संपर्क में रहने से भवन की हालत जर्जर होती जा रही है। ऐसे में कभी भी दीवार या नींव के कमजोर पड़ने से बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है।

ग्रामीणों के अनुसार, बरसात शुरू होते ही विद्यालय परिसर और भवन के आसपास पानी जमा हो जाता है। पानी के तेज बहाव के कारण भवन की नींव के प्रभावित होने की आशंका भी बनी रहती है। विद्यालय भवन की मौजूदा स्थिति को देखते हुए बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावक चिंतित हैं।

विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक आजाद हैदर सिद्दीकी ने बुधवार को बताया कि बारिश के दौरान विद्यालय की छत से लगातार पानी टपकता है। कई कमरों में बच्चों के बैठने लायक स्थिति नहीं रह जाती। मजबूरी में सभी कक्षाओं के बच्चों को एक ही कमरे में बैठाकर पढ़ाना पड़ता है। इससे पठन-पाठन प्रभावित होने के साथ-साथ बच्चों को काफी परेशानी होती है। प्रधानाध्यापक ने बताया कि विद्यालय भवन की समस्या से कई बार विभागीय अधिकारियों को अवगत कराया गया है, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई है। विद्यालय भवन की स्थिति को लेकर अभिभावकों और ग्रामीणों में आक्रोश के साथ-साथ बच्चों की सुरक्षा को लेकर भय का माहौल है। अभिभावकों ने उपायुक्त पलामू से तत्काल विद्यालय भवन का स्थल निरीक्षण कराने की मांग की है।

झारखंड के संसाधनों पर पहला अधिकार यहां की जनता का : कमलेश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, : प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में बुधवार को प्रदेश आदिवासी कांग्रेस के पदाधिकारियों और प्रमुख कार्यकताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता झारखंड प्रदेश आदिवासी कांग्रेस के अध्यक्ष राज उरांव ने की। बैठक में झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी विशेष रूप से उपस्थित थे।

बैठक में 07 सितंबर 2026 को लोकभवन, रांची के समक्ष आयोजित धरना-प्रदर्शन एवं लोकभवन चलो कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई।

कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ता, आदिवासी समाज, मूलवासी समुदाय एवं आम जनता की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए संगठनात्मक स्तर पर व्यापक रणनीति तैयार की गई।

बैठक में मुख्य रूप से दो महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहन चर्चा हुई। उनमें भगवान श्रीराम मंदिर के नाम पर प्राप्त चंदे में कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच की मांग और दूसरा, झारखंड के जल, जंगल, जमीन एवं खनिज संसाधनों से जुड़े अधिकारों को प्रभावित करने वाले एमएमडीआर संशोधन अधिनियम, 2026 का विरोध शामिल है।

बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि झारखंड की जल, जंगल, जमीन और खनिज संपदा पर पहला अधिकार यहां की जनता का है। यदि केंद्र सरकार किसी कानून के माध्यम से राज्यों के अधिकारों को कमजोर करने और झारखंड के संसाधनों पर नियंत्रण बढ़ाने की कोशिश करती है, तो कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी। 07 सितंबर का ह्यलोकभवन चलोह्ल कार्यक्रम झारखंड के अधिकारों की निर्णायक

जनआवाज बनेगा।

झारखंड के संवैधानिक अधिकारों के लिए संघर्ष करेगी कांग्रेस

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी झारखंड के संवैधानिक अधिकारों और राज्य की जनता के हितों की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगी। मौके पर स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि भगवान श्रीराम के नाम पर जनता से प्राप्त चंदे में यदि किसी प्रकार की अनियमितता के आरोप हैं, तो उनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। आस्था के नाम पर जुटाए गए धन में पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी है। जनता के पैसे का हिसाब जनता के सामने होना चाहिए। कांग्रेस किसी भी प्रकार की अनियमितता पर पर्दा डालने के पक्ष में नहीं है।

वहीं प्रदेश आदिवासी कांग्रेस के अध्यक्ष राज उरांव ने कहा कि यह लड़ाई किसी व्यक्ति या दल के खिलाफ नहीं, बल्कि झारखंड के आदिवासी-मूलवासी समाज के संवैधानिक अधिकारों और राज्य के हितों की रक्षा की लड़ाई है। हमारे पूर्वजों ने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए संघर्ष किया है। हम झारखंड की खनिज संपदा और प्राकृतिक संसाधनों पर राज्य एवं यहां की जनता के अधिकार को किसी कीमत पर कमजोर नहीं होने देंगे।

उन्होंने कहा कि 07 सितंबर को आदिवासी कांग्रेस के कार्यकर्ता पूरी ताकत के साथ लोकभवन चलो कार्यक्रम में शामिल होंगे और झारखंड के हक एवं अधिकार की आवाज बुलंद करेंगे।

बैठक में आदिवासी कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता अनुप लकड़ा, संजय सेबेस्टियन मरांडी, अनिल उरांव, समीर हंसदा, अजीत करमाली, गगन करमाली, सुनील मिंज, विक्की करमाली, सुरेश सावैया, संदीप सनी देवगम सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

गया-कामाख्या एक्सप्रेस में लगेंगे 3एसी का एक अतिरिक्त कोच

हाजीपुर(एजेंसी) : आगामी पर्व त्योहार के दौरान यात्रियों की संभावित अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर उनकी सुविधा हेतु रेलवे के द्वारा गया और कामाख्या के मध्य चलने वाली गाड़ी संख्या 15619/15620 गया-कामाख्या-गया एक्सप्रेस में अस्थायी रूप से वातानुकूलित तृतीय श्रेणी का एक अतिरिक्त कोच लगाए जाएंगे । यह सुविधा कामाख्या से गया के लिए 07.09.2026 से 30.11.2026 तक तथा गया से कामाख्या के लिए 08.09.2026 से 01.12.2026 तक उपलब्ध रहेगी।

किशनगंज के शिक्षक शहजाद अनवर राजा को मिलेगा राजकीय शिक्षक सम्मान

किशनगंज,(एजेंसी) : जिले के शिक्षा जगत के लिए गौरव का क्षण है। सदर प्रखंड स्थित मध्य विद्यालय बेलवा काशीपुर के प्रभारी प्रधानाध्यापक एवं शिक्षक शहजाद अनवर राजा को वर्ष 2026 के राजकीय शिक्षक सम्मान के लिए चयनित किया गया है।

शिक्षक दिवस के अवसर पर 5 सितंबर को पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह में उन्हें सम्मानित किया जाएगा। राज्य स्तर पर चयनित कुल 38 शिक्षकों को इस अवसर पर सम्मान प्रदान किया जाएगा।

शहजाद अनवर राजा के सम्मान के लिए चयनित होने की खबर मिलते ही मध्य विद्यालय बेलवा काशीपुर, माध्यमिक विद्यालय बेलवा काशीपुर सहित आसपास के क्षेत्र में खुशी का माहौल है। विद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों, अभिभावकों और स्थानीय लोगों ने इसे किशनगंज जिले के लिए गौरव का विषय बताया है।

शिक्षा के क्षेत्र में शहजाद अनवर राजा लंबे समय से सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ उन्होंने डिजिटल एवं आईसीटी आधारित शिक्षण, नवाचारी गतिविधियों, खेल एवं अनुभवात्मक शिक्षा पर विशेष जोर दिया।

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय में बेहतर शैक्षणिक वातावरण तैयार करने और पढ़ाई को रुचिकर बनाने की दिशा में भी उनके प्रयासों की सराहना की जाती रही है। विद्यालय शिक्षा को समुदाय से जोड़ने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

सामुदायिक सहभागिता बढ़ाने, अभिभावकों को विद्यालय की गतिविधियों से जोड़ने तथा विभिन्न सामाजिक एवं जागरूकता अभियानों को विद्यालय स्तर पर संचालित करने में उन्होंने सक्रियता दिखाई। छात्राओं के सशक्तीकरण और उन्हें शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के क्षेत्र में भी उनके प्रयास उल्लेखनीय रहे हैं।

राजकीय शिक्षक सम्मान के लिए चयनित होने पर क्षेत्र के शिक्षकों, अभिभावकों और शिक्षा प्रेमियों ने शहजाद अनवर राजा को बधाई दी। लोगों ने कहा कि उनका यह सम्मान जिले के अन्य शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का काम करेगा।

सम्मान के लिए चयनित होने पर बुधवार को शहजाद अनवर राजा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनके विद्यार्थियों, सहकर्मियों, अभिभावकों और क्षेत्र के लोगों के स्नेह, सहयोग और विश्वास का परिणाम है।

पिपरा में डीडीसी ने की विकास योजनाओं की समीक्षा, लंबित आवास जल्द पूरा करने का निर्देश

सुपौल,(एजेंसी) : पिपरा प्रखंड परिसर स्थित टीपीसी भवन में बुधवार को उप विकास आयुक्त (डीडीसी) इन्द्रविर कुमार की अध्यक्षता में प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों एवं कर्मियों के साथ समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान, मनरेगा के तहत विकसित भारत जी राम जी योजना सहित अन्य विकासात्मक एवं कल्याणकारी योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की गई।

डीडीसी ने पंचायतवार योजनाओं की प्रगति की जानकारी लेते हुए सभी पंचायतों में लंबित प्रधानमंत्री आवासों का निर्माण जल्द पूरा कराने का निर्देश दिया। उन्होंने शौचालय निर्माण कार्य में तेजी लाने के साथ-साथ मनरेगा के तहत मानव दिवस सृजन एवं वृक्षारोपण के निर्धारित लक्ष्य को समय पर पूरा करने को कहा। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना और योजनाओं को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करना सभी संबंधित कर्मियों की जिम्मेदारी है। कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति में कोताही बरतने वाले कर्मियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में बीडीओ अमरेन्द्र पंडित, कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा मनोज कुमार, प्रखंड समन्वयक लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान, आवास पर्यवेक्षक, पंचायत रोजगार सेवक, आवास सहायक सहित अन्य प्रखंड स्तरीय कर्मी उपस्थित थे।

मजदूरों ने मजदूरी और अधिक समय तक कार्य लिए जाने के खिलाफ दिया धरना

अररिया (एजेंसी) : फारबिसगंज के बियाडा क्षेत्र परिसर में एशियन थाई फूड फैक्ट्री में कार्य करने वाले मजदूरों ने मजदूरी और अधिक समय तक फैक्ट्री मालिक के द्वारा काम लिए जाने के खिलाफ बुधवार को फैक्ट्री के गेट पर प्रदर्शन करते हुए धरना दिया।मजदूरों ने कामकाज को ठप कर दिया।प्रदर्शन कर रहे मजदूरों का कहना था कि प्रबंधन के द्वारा उनलोगों से बारह घंटे तक कार्य लिया जाता है और बदले में मेहनताना भी कम दी जाती है।फैक्ट्री में सभी दिन काम करवाया जाता है और अवकाश के दिन भी छुट्टी नहीं दी जाती है।इसकी शिकायत प्रबंधन से करने पर प्रबंधन के द्वारा काम से निकालने की धमकी दो जाती है।

प्रदर्शन कर रहे कामगारों में पूजा देवी,जूली देवी, समतोला देवी,रत्न देवी,पूजा गुड़िया देवी,श्रवण कामत,सुशील कुमार,राहुल सिंह,प्रकाश कुमार,मुनमुन झा,रोहित कुमार,अजीत कुमार,सुमन कुमार,विकास कुमार,विशाल कुमार,आकाश कुमार,प्रह्लाद कुमार,अनिल कुमार,हेमंत कामत,आदिल,राम सिंह, सोनी देवी,मंजू देवी,रेखा देवी सहित बड़ी संख्या में कामगार प्रदर्शन में शामिल थे और फैक्ट्री प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रहे थे।दूसरी ओर एशियन थाई फूड फैक्ट्री के प्रोपराइटर गौरव जैन ने कहा कि किसी भी संस्थान में अनुशासन सबसे बड़ी चीज होती है।

उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से निर्धारित 436 रुपए प्रतिदिन मेहनताना के बदले उनके द्वारा 493 रुपए भुगतान किया जाता है,जिसमें श्रम कानून के अधीन पीएफ और अन्य राशि का कटता है।उन्होंने कहा कि उनके फैक्टरी में काम करने वाले अधिकांश कामगार थर्ड पार्टी हैं और जिस लेबर कंपनी को मानव बल के लिए ठेका दिया गया है,वे उनसे बात करने के लिए अधिकृत हैं,न कि प्रदर्शन करने वाले मजदूरों से।उन्होंने बारह घंटे तक कार्य लेने के आरोप को सीधे से खारिज किया और कहा कि फैक्ट्री में काम के समय मजदूर खुले में स्नान कर रहे थे,उसे ऐसा करने से रोका गया तो वे प्रदर्शन को उतारू हो गए।

गया जंक्शन: एफओबी का संकीर्ण रैंप बना यात्रियों की परेशानी का सबब

गया जी(एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल अंतर्गत गया जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या 4-5 पर जाने वाले फुट ओवरब्रिज का संकीर्ण रैंप इन दिनों यात्रियों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। एफओबी पर यात्रियों की आवाजाही बढ़ते ही रैंप के पास जाम जैसी स्थिति बन जाती है। एक-दूसरे से आगे निकलने की कोशिश में यात्रियों को काफी असुविधा होती है। सामान लेकर चलने वाले यात्रियों, बुजुर्गों और बच्चों को विशेष परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

गया जंक्शन पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्रियों की आवाजाही होती है। ऐसे में एफओबी के संकरे रैंप के कारण पैदल यात्रियों की गति प्रभावित होती है। ट्रेन आने या छूटने के समय स्थिति और गंभीर हो जाती है। प्लेटफार्म बदलने की जल्दबाजी में यात्रियों की भीड़ रैंप पर जमा हो जाती है और कुछ देर के लिए आवागमन बाधित हो जाता है।पितृपक्ष मेले में बढ़ेगी भीड़, चौड़ाई बढ़ाने की जरूरत

आगामी पितृपक्ष मेला को देखते हुए एफओबी के संकीर्ण रैंप की समस्या और गंभीर होने की आशंका है। देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में तीर्थयात्री गया जंक्शन पहुंचेंगे। यात्रियों की संख्या बढ़ने पर इस रैंप पर दबाव कई गुना बढ़ सकता है। इससे बुजुर्ग तीर्थ यात्रियों और महिलाओं को विशेष परेशानी हो सकती है।

बताया जाता है कि जिला प्रशासन की ओर से भी एफओबी के इस संकीर्ण रैंप को लेकर चिंता जताई जा चुकी है। जिलाधिकारी ने रेल प्रशासन को इसकी चौड़ाई बढ़ाने की सलाह दी थी, ताकि यात्रियों को सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। इसके बावजूद अब तक स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है। यात्रियों का कहना है कि पितृपक्ष मेले से पहले इस समस्या का स्थायी समाधान जरूरी है। रेल प्रशासन को एफओबी के रैंप की चौड़ाई बढ़ाने के साथ-साथ भीड़ नियंत्रण और सुचारु आवाजाही के लिए आवश्यक व्यवस्था करनी चाहिए ताकि मेले के दौरान यात्रियों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

लोक शिकायत निवारण में 98.95 प्रतिशत मामलों का हुआ निष्पादन

किशनगंज, (एजेंसी) : जिला लोक शिकायत निवारण एवं आरटीपीएस के तहत प्राप्त आवेदनों के निष्पादन को लेकर बुधवार को जिलाधिकारी नवीन कुमार की अध्यक्षता में संबंधित पदाधिकारियों के साथ मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक में लोक शिकायत और आरटीपीएस से जुड़े मामलों की प्रगति की समीक्षा करते हुए डीएम ने लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में जिला लोक शिकायत निवारण अधिनियम के तहत कुल 5662 शि-कायतें प्राप्त हुई हैं।इनमें से 5603 मामलों का निष्पादन किया जा चुका है, जबकि 59 मामले लंबित हैं। इस प्रकार मामलों के निष्पादन की दर 98.95 प्रतिशत रही। वहीं, अनुमंडलीय लोक शिकायत निवारण स्तर पर कुल 9477 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 9388 का निष्पादन किया गया है। 89 आवेदन अभी लंबित हैं। बैठक में आरटीपीएस के माध्यम से प्राप्त आवेदनों की भी समीक्षा की गई। जिले में निबंधन, माप-तौल, पेंशन, राशन कार्ड, एलपीसी, म्यूटेशन, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, जाति, निवास, आय, चरित्र प्रमाण पत्र एवं प्रवासी मजदूरों से संबंधित कुल 73,647 आवेदन प्राप्त हुए हैं।इनमें 57,823 आवेदनों का निष्पादन हो चुका है, जबकि 15,824 आवेदन लंबित हैं। डीएम ने पंचायत स्तर पर आरटीपीएस के माध्यम से प्राप्त आवेदनों के निष्पादन में तेजी लाने का निर्देश दिया। जिला पंचायती राज पदाधिकारी को पंचायत स्तर की शिकायतों का निपटारा पंचायत सरकार भवन में ही सुनिश्चित कराने को कहा गया। श्रम अधीक्षक को श्रम संसाधन विभाग की सभी योजनाओं का जमीनी स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार कर पात्र जरूरतमंदों को लाभ दिलाने का निर्देश दिया गया।

सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग को पेंशनधारियों का जीवन प्रमाणीकरण जल्द पूरा कराने तथा 60 वर्ष से अधिक उम्र के वंचित पात्र लाभुकों का नाम जोड़ने की कार्रवाई शीघ्र करने को कहा गया। बैठक में जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, अनुमंडल लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा, आईटी मैनेजर, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी एवं श्रम अधीक्षक उपस्थित थे।

सूखा नशे के खिलाफ फारबिसगंज विधायक का अभियान स्कूल से शुरू,जनजागरूकता का उठाया कदम

अररिया (एजेंसी) : फारबिसगंज के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सूखा नशा का युवाओं में बढ़ते प्रकोप के खिलाफ जागरूकता लाने को लेकर फारबिसगंज विधायक मनोज कुमार विश्वास ने नशा मुक्ति अभियान की शुरूआत की है।प्लस टू स्तरीय जोगबनी उच्च विद्यालय के साथ प्लस टू उच्च माध्यमिक विद्यालय अमौना में बुधवारा को स्कूली छात्रों के बीच जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया और नशे के कारण होने वाली आर्थिक शारीरिक और मानसिक ह्रास को लेकर जानकारी दी गई।उन्होंने स्कूल के उच्च वर्ग के बच्चों से अपील की कि वे अपने घर और समाज मुहल्ले में नशे के खिलाफ लोगों को जागरूक करे और उन्हें समझाते हुए समाज के मुख्य धारा में लाने का प्रयास करे।मौके पर विधायक मनोज कुमार विश्वास ने कहा कि वर्तमान समय में सूखा नशे के प्रति युवाओं में तेजी से लगाव देखा जा रहा है,जो युवा पीढ़ी को शारीरिक और मानसिक रूप से खोखला कर रहा है।स्मैक,ब्राउन शुगर,गांजा, भांग,अफीम,प्रतिबंधित नशे वाली दवाई जैसे नशीला पदार्थ के प्रति युवा तेजी से बढ़ रहे है,जिसके कारण समाज और परिवार में विषमता की खाई बढ़ रही है।उन्होंने कहा कि सूखा नशा का कारोबार करने वालों का फारबिसगंज के शहरी और ग्रामीण इलाकों में मजबूत नेटवर्क है और कहीं न कहीं पुलिस प्रशासन की सकारात्मक प्रयास न करने का यह परिणाम है।उन्होंने कहा कि सूखा नशा के कारोबार में कई सफेद कॉलर वाले लोग शामिल हैं,जो कारोबार को बढ़ावा देने के साथ संरक्षण देने का काम करते हुए हमारी भावी पीढ़ी के नस्ल को खत्म कर रही है।उन्होंने कहा कि पूरे विधानसभा क्षेत्र में छेड़े गए सूखा नशे के खिलाफ अभियान को लेकर जाएंगे और आमजनों को जागरूक करने का कार्य करेंगे।

हौसले से हर लक्ष्य संभव,मजबूत इरादों से करें सफलता हासिल: ब्रिगेडियर सेन

कैंप की व्यवस्थाओं व प्रशिक्षण का निरीक्षण के दौरान ब्रिगेडियर देवकुमार सेन ने कहा

गया जी : कॉलेज में 6 बिहार बटालियन एनसीसी द्वाराआयोजित 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का गया ग्रुप मुख्यालय के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर देव कुमार सेन ने निरीक्षण किया। कैंप पहुंचने पर एनसीसी कैडेटों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। कैंप कमांडेंट कर्नल पंकज कुमार कीर्ति चक्र ने ग्रुप कमांडर की अगवानी की।ब्रिगेडियर देवकुमार सेन ने कैंप का विधिवत निरीक्षण करते हुए कैडेटों के ड्रिल, कंपास प्रशिक्षण, राइफल ड्रिल, भोजनालय, आकस्मिक सेवा सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने प्रशिक्षणरत कैडेटों से बातचीत कर उनकी तैयारियों और अनुभवों की जानकारी भी ली।निरीक्षण के बाद आयोजित सेमिनार में कैडेटों को संबोधित करते हुए ब्रिगेडियर सेन ने कहा कि एनसीसी कैडेटों को भारतीय सैनिकों की तरह अनुशासन, समर्पण और कठिन परिश्रम के साथ प्रशिक्षण लेना चाहिए। दस दिनों के कठिन प्रशिक्षण के बाद कैडेटों में यह विश्वास होना चाहिए कि मजबूत हौसले के साथ कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि ईमानदारी और वफादारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना भी देश सेवा का एक रूप है। प्रत्येक व्यक्ति अपने कार्य को पूरी निष्ठा से करके राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकता है।ग्रुप कमांडर ने एनसीसी ह्यसीह्न प्रमाण पत्र के महत्व की जानकारी देते हुए कहा कि पात्र कैडेटों को सेना में अधिकारी बनने के लिए विशेष अवसर मिलता है। ह्यसीह्न प्रमाण पत्र प्राप्त कैडेट निर्धारित पात्रता पूरी करने पर लिखित परीक्षा से छूट के साथ एसएसबी साक्षात्कार के माध्यम से अधिकारी बनने की प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं। इस अवसर पर सूबेदार मेजर राधेश्याम, सूबेदार अरविंद शर्मा, सूबेदार कुमुद, नायब सूबेदार प्रवीण सहित एनसीसी के अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

शराब माफिया रिंकू पांडेय के घर पुलिस की छापेमारी, डायरी बरामद, 10 हजार का इनाम घोषित

सीवान, (एजेंसी) : शराब तस्करी समेत विभिन्न आपराधिक मामलों में वांछित और लंबे समय से फरार चल रहे रत्नेश कुमार पांडेय उर्फ रिंकू पांडेय की गिरफ्तारी के लिए असांव थाना पुलिस ने उसके घर पर छापेमारी की। पुलिस को मौके से एक डायरी बरामद हुई है। डायरी के आधार पर पुलिस अब उसके आपराधिक नेटवर्क के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज को खंगालने में जुटी है।

एसपी भारत सोनी के निर्देश पर जिले में फरार और वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गयी। पुलिस के अनुसार, पचबेनिया निवासी रत्नेश कुमार पांडेय उर्फ रिंकू पांडेय, पिता वशिष्ठ नारायण पांडेय उर्फ ओंकारनाथ पांडेय के खिलाफ असांव समेत जिले के विभिन्न थानों में कई गंभीर मामले दर्ज हैं। इन मामलों में न्यायालय से प्राप्त वारंट के आधार पर पुलिस टीम ने उसके घर पर छापेमारी की।पुलिस के अनुसार, छापेमारी के दौरान रिंकू पांडेय घर पर नहीं मिला। हालांकि, उसके घर से बरामद डायरी को पुलिस ने महत्वपूर्ण सुराग माना है। इसमें दर्ज जानकारियों के आधार पर शराब के अवैध कारोबार से जुड़े लोगों, संपर्कों और नेटवर्क की पड़ताल की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि फरार अभियुक्त के साथ कौन-कौन लोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हैं।एसपी भारत सोनी ने बताया कि रिंकू पांडेय की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है और उसे पकड़ने में पुलिस कोई कसर नहीं छोड़ेगी। उन्होंने कहा कि अपराध और शराब के अवैध कारोबार से जुड़े किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस बरामद डायरी के आधार पर नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार रिंकू पांडेय के खिलाफ चोरी, अवैध शराब के कारोबार, आर्म्स एक्ट, हत्या, लूट, मारपीट, रंगदारी सहित विभिन्न धाराओं में 26 मामले दर्ज हैं। इनमें असांव थाना के वर्ष 2009, 2020, 2022 और 2026 के मामले के अलावा आंदर, रघुनाथपुर, हुसैनगंज, मैरवा, दरौली, सराय, जीबी नगर, गोरेयाकोठी तथा उत्तर प्रदेश के देवरिया कोतवाली थाना के मामले भी शामिल हैं।

पुलिस ने रिंकू पांडेय की गिरफ्तारी के लिए 10 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा है। एसपी ने आम लोगों से अपील की है कि फरार अभियुक्त के संबंध में कोई भी सूचना मिलने पर तत्काल निकटतम थाना अथवा सीवान जिला पुलिस कंट्रोल रूम के नंबर 9031832785 पर सूचना दें। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

जांच एवं उपचार चिकित्सा आपके द्वार का हुआ शुभारम्भ

अररिया (एजेंसी) : ।स्वास्थ्य सेवाओं को लोगों के घर तक पहुंचाने की दिशा में अररिया जिले में पूर्व से संचालित जांच एवं उपचारझचिकित्सा आपके द्वार कार्यक्रम को अब राज्यव्यापी अभियान का रूप दे दिया गया है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा बुधवार को इस विशेष अभियान का राज्य स्तर पर शुभारंभ किया गया। अभियान के तहत अब बिहार के सभी जिलों में स्वास्थ्य टीमें घर-घर जाकर लोगों की स्क्रीनिंग, आवश्यक जांच, निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श, उपचार एवं फॉलो-अप की सुविधा उपलब्ध कराएंगी।अभियान 02 सितंबर से 30 नवंबर तक तीन महीने की अवधि में संचालित किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य गैर-संचारी रोगों की समय पर पहचान कर आवश्यक उपचार उपलब्ध कराना तथा लोगों को गंभीर बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक करना है।अभियान के तहत स्वास्थ्य टीमों द्वारा मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मुंह का कैंसर, स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर, हृदय रोग, नॉन-अल्कोहलिक फैटी लीवर डिजीज एवं क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज सहित विभिन्न बीमारियों की स्क्रीनिंग एवं आवश्यक जांच की जाएगी। जांच के बाद जरूरत के अनुसार उपचार और मरीजों का फॉलो-अप भी सुनिश्चित किया जाएगा।अभियान के राज्यव्यापी शुभारंभ के अवसर पर समाहरणालय के परमान सभागार में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया।जिसमें डीएम विनोद दूहन, जिला परिषद अध्यक्ष आफताब अजीम पप्पू, सिविल सर्जन अररिया सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य स्तरीय कार्यक्रम से जुड़े।

गया जंक्शन पर डीडीयू मंडल की विशेष टीम ने परखीं यात्री सुविधाओं को

डीआरएम समेत अधिकारियों ने देर शाम किया औचक निरीक्षण, पितृपक्ष मेले को लेकर दिए जरूरी निर्देश

गया जी (एजेंसी) : पितृपक्ष मेले की तैयारियों को लेकर रेलवे ने गया जंक्शन पर यात्री सुविधाओं और व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने की कवायद तेज कर दी है। डीडीयू रेल मंडल के डीआरएम उदय सिंह मीना के नेतृत्व में विशेष टीम ने गया जंक्शन का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान स्टेशन परिसर में यात्रियों के लिए उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। निरीक्षण में डीआरएम के साथ सीनियर डीसीएम राजीव रंजन, सीनियर डीएससी दिनेश सिंह तोमर समेत विभिन्न शाखाओं के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने स्टेशन के अलग-अलग हिस्सों का निरीक्षण करते हुए पितृपक्ष मेले के दौरान बढ़ने वाली यात्रियों की भीड़ को ध्यान में रखकर व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने पर जोर दिया। इस अवसर पर सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार सिंह, मुख्य टिकट निरीक्षक (प्रशासन) आरआर सहाय, रेल कंस्ट्रक्शन विभाग के अभियंता हरि गोविंद राय, रेल कंस्ट्रक्शन कंपनी के जीएम बीके सिंह, मुख्य टिकट पर्यवेक्षक रंजीत कुमार और मुख्य आरक्षण पर्यवेक्षक मोहम्मद मसूद समेत कई अधिकारी उपस्थित थे। रेलवे अधिकारियों ने यात्री सुविधा, टिकट एवं आरक्षण व्यवस्था, सुरक्षा, साफ-सफाई और स्टेशन पर भीड़ नियंत्रण से संबंधित तैयारियों की समीक्षा की। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि मेले के दौरान देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। इधर, पूर्व मध्य रेलवे के नवपदस्थापित महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग बुधवार को गया जंक्शन पर पितृपक्ष मेले की तैयारियों की ऑनलाइन समीक्षा करेंगी। इसे लेकर रेलवे के विभिन्न विभागों ने तैयारियां और तेज कर दी हैं।

संपादकीय

हिमालय की चेतावनी को कब समझेंगे हम?

नेपाल में आई भीषण जल प्रलय ने एक बार फिर पूरे हिमालयी क्षेत्र को चिंता में डाल दिया है। पड़ोसी देश की इस त्रासदी को केवल नेपाल की आपदा मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। केदारनाथ, रैणी-तपोवन, धराली और थराली की विनाशकारी घटनाएं तथा जोशीमठ का भू-धंसाव हिमालयी राज्यों के लिए पहले ही गंभीर चेतावनी बन चुके हैं। सवाल यह है कि इतनी बड़ी-बड़ी त्रासदियों के बावजूद क्या हमने वास्तव में कोई सबक लिया है?

उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश सहित तमाम हिमालयी क्षेत्रों में प्राकृतिक आपदाओं की घटनाएं अब पहले की तुलना में अधिक चिंता पैदा कर रही हैं। बादल फटना, अतिवृष्टि, भूस्खलन और अचानक आने वाली बाढ़ पर्वतीय जीवन का सबसे बड़ा संकट बनते जा रहे हैं। पहले ऐसी घटनाएं लंबे अंतराल के बाद कभी-कभार होती थीं, लेकिन अब लगातार सामने आ रही आपदाएं यह सोचने के लिए मजबूर करती हैं कि कहीं विकास की हमारी अवधारणा ही हिमालय की संवेदनशीलता के विरुद्ध तो नहीं जा रही?

प्राकृतिक आपदाएं पूरी तरह मनुष्य के नियंत्रण में नहीं हैं। भूकंप, बादल फटना या अत्यधिक वर्षा जैसी घटनाओं को रोका नहीं जा सकता। लेकिन आपदा से होने वाली जनहानि को कम किया जा सकता है। इसके लिए वैज्ञानिक चेतावनी प्रणाली, सुरक्षित निर्माण, आपदा प्रबंधन और पर्वतीय क्षेत्रों की भार-वहन क्षमता का ईमानदार आकलन जरूरी है।वर्ष 2013 की केदारनाथ त्रासदी ने हमें बहुत कुछ सिखाया था। उसके बाद वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने भविष्य में जनहानि कम करने के अनेक उपाय सुझाए। अर्ली वार्निंग सिस्टम उनमें महत्वपूर्ण था। लेकिन वर्ष 2021 की रैणी-तपोवन आपदा ने यह सवाल फिर खड़ा कर दिया कि आखिर हमारी तैयारियां कितनी प्रभावी हैं? यदि चेतावनी समय पर मिले और उसे लोगों तक पहुंचाने की व्यवस्था मजबूत हो तो अनेक जिंदगियां बचाई जा सकती हैं।दुर्भाग्य यह है कि हम आपदा के बाद जागते हैं और कुछ समय बाद फिर उसी रास्ते पर लौट आते हैं। हिमालय की सबसे बड़ी चुनौती आज प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि प्रकृति की क्षमता से अधिक उस पर डाला जा रहा मानवीय दबाव है। पर्यटन के विस्तार, सड़क निर्माण, जल विद्युत परियोजनाओं, होटल और अन्य निर्माण गतिविधियों के नाम पर पर्वतीय क्षेत्रों में जिस तेजी से बदलाव किया जा रहा है, उसके दूरगामी परिणामों पर गंभीरता से विचार होना चाहिए।

हिंदी की सेवा में जीवन अर्पित करने वाले स्वतंत्रता सेनानी दत्रातेय बालकृष्ण कालेकर

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास केवल रणभूमि के योद्धाओं का ही नहीं, बल्कि उन चिंतकों, शिक्षा-शास्त्रियों, साहित्यकारों और पत्रकारों का भी इतिहास है जिन्होंने अपने लेखन, विचार और सामाजिक कार्यों के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना को एक नई दिशा दी। ऐसे ही महान व्यक्तित्वों में दत्तात्रेय बालकृष्ण कालेकर, जिन्हें देश प्रेम से काका कालेकर के नाम से जाना जाता है, का नाम अत्यधिक सम्मान से लिया जाता है। उनका जन्म 1 दिसम्बर 1885 को महाराष्ट्र के सतारा में हुआ। पारिवारिक संस्कारों, सरल जीवन और राष्ट्रप्रेम ने उनके व्यक्तित्व को बचपन से ही प्रभावित किया। आगे चलकर वे महात्मा गांधी के निकटतम अनुयायियों में शामिल हुए और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को वैचारिक व नैतिक शक्ति प्रदान करने वाले अग्रणी कार्यकर्ता बने।

काका कालेकर का जीवन एक शिक्षक, साहित्यकार, पत्रकार, स्वतंत्रता सेनानी और सामाजिक सुधारक के रूप में अद्भुत विविधताओं से भरा था। वे मूलतः मराठी भाषी थे, परंतु हिंदी और गुजराती भाषा पर उनकी पकड़ इतनी प्रभावी थी कि दोनों भाषाओं के साहित्य को उन्होंने नई ऊंचाइयों तक पहुँचाया। यह उनकी भाषाई संवेदनशीलता और साहित्यिक प्रतिभा का ही परिणाम था कि वे हिंदी के प्रमुख लेखकों में शामिल हुए। उनकी साहित्यिक रचनाएँ सरलता, नैतिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं से ओत-प्रोत थीं।

उनके जीवन में गांधीवादी विचारधारा की गहरी छाप थी। महात्मा गांधी से उनका प्रथम परिचय केवल लेखन के माध्यम से हुआ, लेकिन बाद में वे उनके निकट सहयोगी बन गए। सत्य, अहिंसा और स्वावलंबन के सिद्धांतों को उन्होंने केवल पुस्तकों में नहीं, बल्कि अपने जीवन के हर कदम में उतारकर दिखाया। स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रहते हुए उन्होंने कई आंदोलनों का नेतृत्व किया, जेल गए और समाज को जागरूक करने के लिए अपने लेखन का लगातार उपयोग किया। गांधीजी के निधन के बाद 1948 में उन्हें गाँधी संग्रहालय का पहला संचालक नियुक्त किया गया। यह केवल एक प्रशासनिक पद नहीं था बल्कि गांधीजी की स्मृति, विचार और धरोहर को संरक्षित करने की जिम्मेदारी थी, जिसे काका कालेकर ने बड़ी निष्ठा से निभाया।साहित्य के क्षेत्र में काका कालेकर का योगदान अत्यंत विशाल है। उनकी रचनाओं में मानवीय अनुभूतियों की गहराई, सरल भाषा, देशभक्ति और आध्यात्मिक चिंतन का अप्रतिम मेल देखने को मिलता है। उनकी प्रमुख रचनाओं में जीवनलीला, जीवन-विहार, जीवन-साहित्य भाग 1 व 2, सप्त सरिता और हिमालय की यात्रा जैसे ग्रंथ शामिल हैं। ये रचनाएँ न केवल साहित्य का सौंदर्य बढ़ाती हैं बल्कि पाठक को अपने अंतर्मन में झांकने की प्रेरणा भी देती हैं।

उनकी लेखनी में गुजरात और हिंदी साहित्य की अनूठी आत्मीयता दिखाई देती है। उन्होंने गांधीवादी विचारों को जन-जन तक पहुँचाने के लिए अपनी भाषा को माध्यम बनाया। उनके निबंधों और पुस्तकों में एक ओर गहरी दार्शनिकता है तो दूसरी ओर अत्यंत सहज मानवीय भावनाएँ।यह द्वंद्व ही काका कालेकर को विशेष बनाता है। उनकी शैली सादगीपूर्ण, सहज और शांत प्रवाह वाली थी, जो पाठक के मन में गहरी छाप छोड़ती है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद राष्ट्र निर्माण में भी काका कालेकर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों की पहचान के लिए भारत सरकार द्वारा बनाए गए आयोग के वे अध्यक्ष रहे। यह आयोग उनके नाम से ही जाना गया,काका कालेकर आयोग। इस आयोग ने न केवल समाज में व्याप्त विषमताओं का अध्ययन किया बल्कि सामाजिक न्याय और समानता के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उनकी दृष्टि में शिक्षा सामाजिक उत्थान का सबसे बड़ा उपकरण था। इसलिए उन्होंने जीवनभर शिक्षा को जनसुलभ, नैतिक और उपयोगी बनाने का प्रयास किया।

साहित्य, समाज सेवा और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को देश ने कई उच्च सम्मानों से नवाजा। वर्ष 1964 में भारत सरकार ने उन्हें देश का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मविभूषण प्रदान किया। यह सम्मान केवल उनके कार्यों की उपलब्धि का नहीं, बल्कि उनके विचारों और जीवन के आदर्शों का भी सम्मान था। साहित्यिक क्षेत्र में भी उनकी उच्च उपलब्धि को मान्यता मिली। वर्ष 1965 में उन्हें जीवन व्यवस्था शीर्षक से लिखी अपनी कृति के लिए साहित्य पुरस्कार प्राप्त हुआ।

काका कालेकर की जीवन यात्रा केवल तिथियों, घटनाओं और उपलब्धियों की सूची भर नहीं है, बल्कि यह एक ऐसे मनुष्य की कहानी है जिसने राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य को सबसे ऊपर रखा। उनका पूरा जीवन गांधीवाद का चलता-फिरता उदाहरण था। वे सरल जीवन, उच्च विचार और मानवता की भावना से परिपूर्ण थे। उनकी वाणी में विनम्रता थी, विचारों में स्पष्टता और जीवन में अनुशासन। वे चंद पंक्तियों में ही लोगों को दिशा दे देते थे। उनकी रचनाएँ, भाषण और विचार आज भी सामाजिक सद्भाव, नैतिकता और राष्ट्रनिष्ठा का मार्ग दिखाने वाली प्रकाश-स्तंभ हैं।

21 अगस्त 1981 को उनका निधन हो गया, लेकिन उनका कार्य आज भी जीवंत है। उनका साहित्य नए भारत के युवाओं को प्रेरित करता है कि राष्ट्र केवल राजनीतिक स्वतंत्रता से नहीं बनता, बल्कि उसके निर्माण में भाषा, संस्कृति, शिक्षा और नैतिकता की भी उतनी ही बड़ी भूमिका होती है। काका कालेकर ने न केवल साहित्य को समृद्ध किया बल्कि समाज को भी नई सोच दी। आधुनिक भारत के इतिहास में वे उन दुर्लभ व्यक्तित्वों में से हैं जिन्होंने जीवन के हर क्षेत्र में उच्च आदर्श प्रस्तुत किए।

आज जब हम उनके जीवन पर दृष्टि डालते हैं तो पाते हैं कि एक व्यक्ति सादगी और सेवा में कितना महान बन सकता है। काका कालेकर ने न केवल स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया बल्कि स्वतंत्र भारत का नैतिक मार्गदर्शन भी किया। उनकी हिंदी सेवा, शिक्षा के प्रति निष्ठा, सामाजिक न्याय के लिए समर्पण और साहित्यिक रचनाओं की शक्ति भारत की सांस्कृतिक और बौद्धिक धरोहर का अनमोल हिस्सा हैं। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि विचारों की शक्ति किसी भी युग में समाज को बदल सकती है। काका कालेकर वास्तव में उन स्वतंत्रता सेनानियों की श्रेणी में आते हैं जिन्होंने अपनी स्याही और विचारों से भारत के भविष्य को आकार दिया।

उनका जन्म केवल इतिहास की एक तारीख नहीं, बल्कि राष्ट्र को एक ऐसे व्यक्तित्व का मिलना था जिसने सेवा, साहित्य और सत्य के मार्ग पर चलकर यह दिखाया कि राष्ट्र निर्माण केवल नारे लगाने से नहीं, बल्कि सतत परिश्रम और नैतिक बोध से होता है। आज भी काका कालेकर का नाम हिंदी की सेवा, साहित्य की गरिमा और मानवता के आदर्शों के प्रतीक के रूप में लिया जाता है। उनका जीवन संदेश हमें याद दिलाता है कि स्वतंत्रता की रक्षा केवल सीमाओं पर नहीं बल्कि विचारों और मूल्यों की रक्षा से होती है। काका कालेकर ने इसे अपने जीवन से सिद्ध किया, इसलिए वे सदैव प्रेरणा के स्त्रोत रहेंगे।

कांतिलाल मांडोत

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

दूब की तरह छोटे बनकर रहो। जब घास-पात जल जाते हैं तब भी दूब जस की तस बनी रहती है।

: गुरु नानक

प्रत्येक शिशु एक संदेश लेकर आता है कि भगवान मनुष्य को लेकर हतोत्साहित नहीं है।

: रविन्द्रनाथ टैगोर

जब जलवायु घर छीन रही हो, कानून को छत बनना होगा

बाढ़ और कटाव से घर उजड़ते हैं, परिवारों का भविष्य भी बह जाता है; लेकिन कानून में उनके लिए कोई ठिकाना नहीं। भारत में जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की चेतावनी नहीं, लाखों लोगों की वर्तमान त्रासदी है। 2024 में जलवायु संबंधी आपदाओं से 54 लाख आंतरिक विस्थापन दर्ज हुए–दक्षिण एशिया में सबसे अधिक। करीब दो-तिहाई बाढ़ से जुड़े थे। 2022 में यह आंकड़ा 25 लाख था। असम, सुंदरबन, ओडिशा और बिहार के नदी-तटीय इलाकों में परिवार हर साल घर, खेत और पहचान खो रहे हैं। फिर भी अब तक (2026) ऐसा कोई कानून नहीं, जो उन्हें ह्यजलवायु विस्थापितह्ल मानकर अधिकार तय करे। आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 तत्काल राहत तक सीमित है; स्थायी पुनर्वास और मुआवजे का अधिकार कानून से बाहर है।

नदी का पानी उतर जाए तो आदमी घर लौट सकता है, लेकिन कटाव जमीन निगल जाए तो लौटने को कुछ बचता नहीं। यही नदी-कटाव को बाढ़ से अधिक क्रूर बनाता है। ब्रह्मपुत्र 1950 के बाद से असम की 4.27 लाख हेक्टेयर जमीन निगल चुकी है। माजुली द्वीप 1970 के दशक में 1,250 वर्ग किलोमीटर था, जो अब 350-600 वर्ग किलोमीटर रह गया है। सरकारी आंकड़े 2014-24 के बीच 17,390 लोगों के विस्थापन की बात करते हैं, जबकि संसद में दिए जवाब 86 हजार से अधिक लोगों की भूमिहीनता बताते हैं। तटबंधों या सरकारी जमीन पर बसे परिवार ह्यअतिक्रमणकारीह्ल कहलाते हैं। भूमि अधिग्रहण कानून 2013 में राज्य जमीन ले तो मुआवजा है; नदी ले जाए तो न अधिग्रहण माना जाता है, न मुआवजा।

सबसे गहरी चोट तब लगती है, जब जमीन का अस्तित्व मिट गया हो और उसी का कागज मांगकर इंसान को राहत से बाहर कर दिया जाए। संविधान का अनुच्छेद 21 जीवन, आजीविका और आश्रय का अधिकार देता है, लेकिन अदालतें भी इस संकट का व्यापक समाधान नहीं कर पाई हैं। गौहाटी उच्च न्यायालय ने कुछ मामलों में राहत दी है, पर व्यापक नीति नहीं बनी। असम की 2020 की पुनर्वास नीति 2023 में संशोधित/आंशिक रूप से वापस ली गई। पंद्रहवें वित्त आयोग ने कटाव प्रभावितों के लिए अलग फंड की सिफारिश की थी और 2024 में केंद्र ने कुछ दिशानिर्देश जारी किए, मगर जमीनी पहुंच सीमित है। दस्तावेजों की शर्त उस परिवार के सामने है, जिसकी जमीन और कागज दोनों नदी में समा चुके हैं।

उजड़ना केवल गांव छोड़ना नहीं है; यह आदमी को उसकी पुरानी पहचान से भी बेदखल कर देता है। सुंदरबन में बढ़ती लवणता खेती और मछली पालन खत्म कर रही है। खेत और पानी जब रोजी छीन लेते हैं, तो परिवार शहरों की ओर जाता है। वहां झुग्गियों में नई जिंदगी शुरू होती है–मगर अधिकारों के बिना। कोई राष्ट्रीय रजिस्टर, स्पष्ट नोडल एजेंसी नहीं है। 2022 का निजी सदस्य विधेयक–क्लाइमेट माइग्रेंट्स (प्रोटेक्शन एंड रिहैबिलिटेशन) बिल–संसद में आगे नहीं बढ़ सका। इस बीच जलवायु विस्थापन अस्थायी घटना नहीं, स्थायी और संरचनात्मक संकट बनता जा रहा है। व्यवस्था फिर भी उसे ह्यआपदाह्ल की छोटी अवधि में बांधकर देख रही है।

दुनिया के दूसरे हिस्सों में कानून ने बदलती जलवायु की आहट सुन ली है, लेकिन भारत में उजड़े लोगों की आवाज व्यवस्था की दीवारों से टकराकर लौट आती है। बांग्लादेश और फिजी ने जलवायु विस्थापितों को कानूनी पहचान देने की दिशा में कदम उठाए हैं। ऑस्ट्रेलिया-तुवालु समझौता बताता है कि जलवायु आवागमन को कानूनी ढांचे में जगह दी जा सकती है। भारत में कार्बन सेस और पर्यावरणीय जुमार्ने से समर्पित फंड बनाने के प्रस्ताव हैं, लेकिन राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव है। जब बांध या हाईवे परियोजना से विस्थापित व्यक्ति को मुआवजा और पुनर्वास मिलता है, तो प्रकृति से उजड़े परिवार को क्यों नहीं? जमीन जाने का दर्द उसके कारण से कम नहीं होता।

इस कानून-विहीनता का सबसे भारी बोझ उन्हीं पर पड़ता है, जो पहले ही गरीबी ढो रहे हैं। आदिवासी, दलित और गरीब किसान जलवायु विस्थापन के सबसे असुरक्षित शिकार हैं। उनके लिए जमीन केवल संपत्ति नहीं, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और पीढ़ियों की पहचान है। जमीन जाने के साथ बच्चों की पढ़ाई, रोजी और समुदाय से जुड़ाव टूटता है। उनकी आवाज संसद तक पहुंचना कठिन है। चुनावी घोषणापत्रों में जलवायु विस्थापन का उल्लेख नहीं के बराबर है और सरकारी सर्वेक्षणों में भी यह प्राथमिकता नहीं बन पाया। जब विस्थापितों को कानून कोई नाम नहीं देता, तो उनके अधिकारों की मांग भी अनसुनी रह जाती है। यह केवल प्रशासनिक कमी नहीं, संवैधानिक समानता का गंभीर प्रश्न है।

अब राहत की घोषणा से आगे बढ़कर ऐसे कानून की जरूरत है, जो उजड़ने के बाद भी नागरिक को अकेला न छोड़े। समर्पित कानून जलवायु विस्थापितों को स्पष्ट पहचान दे, पंजीकरण करे, पुनर्वास को अधिकार बनाए और स्थायी फंड सुनिश्चित करे। भूमि खोने वालों को दस्तावेजी अड़चनों से राहत मिले तथा आवास, आजीविका और सामाजिक सुरक्षा की व्यवस्था हो। अनुच्छेद 21 और राज्य के नीति-निर्देशक तत्व इसका संवैधानिक आधार दे सकते हैं। पंद्रहवें वित्त आयोग की सिफारिश के अनुरूप अलग कोष बनाया जा सकता है। कार्बन सेस और पर्यावरणीय जुमार्नों से भी संसाधन जुटाए जा सकते हैं। सवाल यह नहीं कि उपाय संभव हैं या नहीं; सवाल है कि राजनीतिक इच्छा कब पैदा होगी।

सवाल अब यह है कि हर साल उजड़ रहे लाखों लोगों की जिम्मेदारी कौन लेगा? वे किसी युद्ध के शरणार्थी नहीं, फिर भी विस्थापित हैं; उन्होंने जमीन बेची नहीं, फिर भी भूमिहीन हैं; उन्होंने शहर चुना नहीं, फिर भी पलायन को मजबूर हैं। नदी को दोष देकर राज्य अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकता। यदि कानून उन्हें पहचान नहीं देता, तो मुआवजा अपवाद और पुनर्वास एहसान बन जाता है। तब बाढ़ और कटाव महज प्राकृतिक आपदाएं नहीं रहते, वे संवैधानिक अन्याय की शक्ल लेते हैं। नदी जमीन छीन ले, यह प्रकृति की विवशता हो सकती है; लेकिन उसके साथ इंसान का अधिकार भी बह जाए, यह राज्य की विफलता होगी।

प्रो. आरके जैन अरिजीत

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7349

मध्यम

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7348 का हल

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2

शिक्षक दिवस — माला एक दिन की, परीक्षा पूरे साल की

पाँच सितंबर को स्कूलों में सम्मान का शोर उठता है–दीवारों पर रंग चढ़ते हैं, हाथों में फूल आते हैं और मंच से शिक्षक की महिमा के पुल बाँधे जाते हैं। मगर तालियों के बीच एक सवाल अनसुना रह जाता है–यह शिक्षक दिवस है या हमारी एक दिन की औपचारिक कृतज्ञता? जिस शिक्षक को आज गुरु, मार्गदर्शक और राष्ट्रनिमार्ता कहा जाता है, वही कल फाइलों, आदेशों, रजिस्टरों और परीक्षा परिणामों के बोझ तले फिर अकेला खड़ा होगा। फूल मुरझाएँगे, कार्ड फेंक दिए जाएँगे, तस्वीरें पुरानी पड़ जाएँगी; पर पहली घंटी के साथ उसकी जिम्मेदारियाँ फिर सामने होंगी। शिक्षक दिवस की असली सार्थकता तभी है, जब समारोह खत्म होने के बाद भी शिक्षक का सम्मान बना रहे।

कक्षा की चार दीवारों में अलग-अलग परिस्थितियों से जूझते बच्चे बैठे होते हैं–कोई भूखा है, कोई टूटे परिवार का बोझ ढो रहा है, कोई आर्थिक अभाव से सहमा है तो कोई मोबाइल के कारण एकाग्रता खो चुका है। किसी के पास किताब नहीं, किसी के घर पढ़ने की जगह या परिवार का सहयोग नहीं। फिर भी अपेक्षा है कि शिक्षक सबको समान परिणाम दे। यह वैसा है जैसे किसान को जमीन, पानी और मौसम की चिंता किए बिना भरपूर फसल देने को कहा जाए। बच्चे की परिस्थितियों और मनःस्थिति का हिसाब कोई नहीं रखता; परिणाम खराब होते ही सवाल शिक्षक पर आता है। समाज शिक्षक को मशीन मानता है–न थकने वाली, न परेशान होने वाली और न असफल होने वाली।

शिक्षक का अधिकांश श्रम कागज पर दर्ज नहीं होता। अपनी जेब से कॉपियाँ-किताबें खरीदना, गरीब बच्चे की फीस या परीक्षा-फॉर्म भरना, घर पर निःशुल्क पढ़ाना, अपने खाने का पैसा बचाकर जरूरतमंद विद्यार्थी की मदद करना–ये उसकी नौकरी की शर्तें नहीं हैं। बुखार हो या शरीर टूट रहा हो, कक्षा में खड़ा रहना पड़ता है; छुट्टी भी सवाल खड़े कर देती है। लेकिन परिणाम में दो अंक कम होते ही शिक्षक से जवाब माँगा जाता है। सम्मान का यह कैसा ढंग है–फूल भी उसी के लिए और दोष भी उसी के सिर? उसका असली श्रम रिपोर्टों में नहीं, बच्चे के आत्मविश्वास, टूटे विद्यार्थी की वापसी और गरीब बच्चे की तरक्की में दिखता है।

आज शिक्षक को पाठ के साथ बच्चे को भी समझना है। मोबाइल ने उसकी उँगलियों में पूरी दुनिया रख दी है, लेकिन हर सूचना ज्ञान नहीं। ध्यान कुछ सेकंड में भटकता है, तुलना बढ़ती है और घर-परिवार का दबाव बच्चों को बेचैन करता है। फिर भी शिक्षक से अपेक्षा है कि वह कक्षा संभाले, अनुशासन रखे, पाठ्यक्रम पूरा करे और हर बच्चे को टॉपर बनाए। उसे अध्यापक के साथ मित्र, काउंसलर, प्रेरक और कई बार माँ-बाप की भूमिका भी निभानी पड़ती है। चालीस अलग-अलग दिमागों को समझना आसान नहीं। अभिभावक परिणाम, स्कूल अनुशासन और व्यवस्था लक्ष्य चाहती है; इन अपेक्षाओं के बीच शिक्षक की थकान, परेशानी और निजी जिंदगी सबसे पहले छूट जाती है।

ईमानदारी का तकाजा है कि शिक्षक को देवता न माना जाए। हर शिक्षक आदर्श नहीं होता। कुछ लापरवाह हैं, कुछ जिम्मेदारी से बचते हैं और कुछ विद्यार्थियों के साथ अन्याय करते हैं। ऐसे मामलों में जवाबदेही होनी चाहिए। लेकिन कुछ खराब उदाहरणों के आधार पर पूरे शिक्षक समुदाय को कटघरे में खड़ा करना भी गलत है। सवाल यह भी होना चाहिए कि शिक्षक को बेहतर बनाने के लिए व्यवस्था ने क्या किया? उसे कैसा प्रशिक्षण मिला? कक्षा में कितने बच्चे हैं? गैर-शैक्षणिक काम कितना है? संसाधन और पढ़ाने की स्वतंत्रता कितनी है? यदि शिक्षक का समय कागजी काम में जाए, कक्षा भीड़ से भरी हो और निर्णय ऊपर से आएँ, तो केवल परिणाम माँगना अपनी जिम्मेदारी से बचना है। अच्छी शिक्षा अच्छे शिक्षक और अच्छी व्यवस्था, दोनों से पैदा होती है।

शिक्षक दिवस पर फूलों से अधिक जरूरी वे सवाल हैं, जो शिक्षक का सच सामने लाएँ। क्या उसे समय पर वेतन, पर्याप्त शिक्षण सामग्री मिलती है? क्या वह हर बच्चे पर ध्यान दे सकता है या सरकारी कामों में कक्षा से बाहर भेज दिया जाता है? क्या उसकी समस्या सुनने वाला कोई है? सबसे जरूरी–क्या पाठ पूरा करना ही शिक्षा है? किसी बच्चे की आँखों में आँसू हों तो किताब बंद कर उसे सुनना जरूरी हो सकता है। उसका आत्मविश्वास लौटाना, असफलता के बाद खड़ा करना और उसे बेकार न महसूस होने देना–ये भी शिक्षा के परिणाम हैं। पाठ का एक पन्ना अधूरा रहना छोटी बात है; बच्चे का मन टूटना बड़ा नुकसान।

शिक्षक की मेहनत का सबसे बड़ा प्रतिफल मंचीय सम्मान नहीं, वर्षों बाद लौटकर आया विद्यार्थी है। जब वह कहता है–ह्लआपने तब मेरा साथ नहीं छोड़ा, इसलिए मैं आगे बढ़ पायाह्ल–तभी शिक्षक अपनी मेहनत का अर्थ समझता है। कोई याद करता है कि फीस न होने पर शिक्षक ने किताब दिलाई; कोई बताता है कि सबने असफल माना, तब शिक्षक ने संभावना देखी। यही पूँजी वेतन-पर्ची नहीं माप सकती। लेकिन शिक्षक को केवल भावनात्मक संतोष के भरोसे छोड़ना गलत है। उसे उचित वेतन, सुरक्षित कार्यस्थल, कम गैर-शैक्षणिक बोझ, पर्याप्त संसाधन और अपनी बात कहने का अधिकार चाहिए। कृतज्ञता जरूरी है, वेतन का विकल्प नहीं।

जिस शिक्षक के हाथों में बच्चों का भविष्य है, उसकी थकान कौन समझता है? पाँच सितंबर की सच्ची गुरु-पूजा फूलों में नहीं, शिक्षक को मनुष्य मानने में है। उसकी समस्या सुनी जाए, गलती पर जवाबदेही और ईमानदार मेहनत पर भरोसा हो। शिक्षक को परीक्षा-परिणाम की मशीन मानना शिक्षा से अन्याय है। दबाव, अविश्वास और कागजी बोझ में जला शिक्षक भविष्य कैसे सँवारेगा? पाँच सितंबर की माला उतर जाती है, जिम्मेदारी नहीं। सवाल फूलों का नहीं, छह सितंबर के व्यवहार का है। पाँच सितंबर तारीख है; असली परीक्षा 364 दिनों में होती है। सच यही है–इस परीक्षा में हम अभी पूरे अंकों के हकदार नहीं हैं।

कृति आरके जैन

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

दैनिक पंचांग

03 सितंबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	सिंह में
चंद्र	मीन में
मंगल	मिथुन में
बुध	सिंह में
गुरु	कर्क में
शुक्र	कन्या में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कन्या	06.58 बजे से
तुला	09.09 बजे से
वृश्चिक	11.23 ब.से
धनु	13.39 बजे से
मकर	15.44 बजे से
कुंभ	17.31 बजे से
मीन	19.04 बजे से
मेष	20.34 बजे से
वृष	22.14 बजे से
मिथुन	00.13 बजे से
कर्क	02.26 बजे से
सिंह	04.42 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 243 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण)
पक्ष कृष्ण **तिथि** तृतीया 08.52 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** रेवती 03.24 बजे रात्र को समाप्त। **योग** गण्ड 01.51 बजे रात्र को समाप्त। **करण** विष्टि 08.52 बजे तदनन्तर बव 20.20 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 18.3 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 08° 43'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872818
जूलियन दिन 2461283.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उलावल
तारीख 17
विशेष कजरी तीज, बहुला चतुर्थी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति इरशाद की दूसरी पत्नी बिदिशा की जमानत अर्जी खारिज

ढाका (बांग्लादेश)। पूर्व राष्ट्रपति हुसैन मोहम्मद इरशाद की दूसरी पत्नी बिदिशा इरशाद को जेल में ही रहना होगा। एक फ्लैट की बिक्री में कथित धोखाधड़ी के मामले में उनकी जमानत खारिज कर दी गई। ढाका मेट्रोपॉलिटन सेशंस जज शाहजहां कबीर की अदालत में बिदिशा की ओर से ढाका बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनवर जाहिद भुइयां और कई अन्य वकील पेश हुए और जमानत की मांग की। शिकायतकर्ता के वकील हेमायतुद्दीन खान हिरोन ने जमानत अर्जी का विरोध किया। ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, बिदिशा के दूसरे वकील मोनिरुज्जमान सबुज ने बताया कि सुनवाई के बाद अदालत ने जमानत अर्जी खारिज कर दी। उन्होंने कहा, "हमने इस शर्त पर जमानत मांगी थी कि वह अपील दायर करेंगी। अब हम उच्च न्यायालय जाएंगे और वहां न्याय की मांग करेंगे।" 20 मई को अदालत ने बिदिशा को दो साल की जेल और 10 हजार टका (लगभग 7,732 रुपये) के जुर्माना का फैसला सुनाया था। चूंकि बिदिशा फरार थीं, इसलिए अदालत ने उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया। पुलिस ने 25 अगस्त को रात करीब 8:30 बजे गुलशन के एक रेस्तरां से उन्हें गिरफ्तार किया। अगले दिन उन्हें ढाका की मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उन्हें जेल भेजने का आदेश दिया। व्यवसायी मोशर्रफ हुसैन सिकदर ने 2008 में गुलशन थाने में मामला दर्ज कराया था। मामले में उन पर बारीधारा के प्रेसिडेंट पार्क में एक फ्लैट की बिक्री में धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया था। शिकायत के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच 80 लाख टका में फ्लैट का सौदा हुआ।

भीषण बाढ़ के बाद नेपाल को भारत से चाहिए मुआवजा

काठमांडू। हाल के दिनों में अंतरराष्ट्रीय और घरेलू मोर्चे पर कई महत्वपूर्ण घटनाक्रम देखने को मिले हैं, जिनमें नेपाल में भीषण बाढ़ के बाद मुआवजे की मांग, भारत में एलपीजी सिलेंडर के दाम में बढ़ोतरी, और बांग्लादेश के साथ भारत के संबंधों में तनाव शामिल है। इन घटनाओं का क्षेत्रीय भू-राजनीति और आम नागरिक के जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है। नेपाल में आए भीषण बाढ़ के बाद अब तक 1000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, और इस त्रासदी के बीच नेपाल सरकार ने अन्य देशों से मदद के बजाय मुआवजे की मांग की है। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने कहा है कि नेपाल ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में नगण्य योगदान देता है, इसके बावजूद उसे दूसरे देशों द्वारा पैदा किए गए जलवायु संकट की बड़ी कीमत चुकानी पड़ रही है। उन्होंने चीन और अमेरिका के अलावा भारत का भी नाम लेते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के सामने इन तीन देशों को कसूरवार ठहराते हुए कहा, चीन दुनिया का सबसे बड़ा उत्सर्जक है, उसके बाद अमेरिका दूसरे और भारत तीसरे नंबर पर है। इन प्रमुख औद्योगिक देशों की ऐतिहासिक जिम्मेदारी है कि वे नेपाल जैसे संवेदनशील देश को मुआवजा दें। फिलहाल नेपाल में बचाव अभियान जारी है और मौतों का सिलसिला तेजी से बढ़ रहा है। नेपाल ने इस त्रासदी से उबरने और पुनर्निर्माण के लिए 5 अरब डॉलर के नुकसान का आकलन किया है और संयुक्त राष्ट्र के 'क्लाइमेट डिजास्टर रिकवरी फंड' से तुरंत वित्तीय सहायता की मांग की है।

भारत को छोड़ चीन से बिजली खरीदेगा बांग्लादेश: उधर, भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश ने भारत को छोड़कर चीन से बिजली खरीदने की तैयारी में है, जिससे दोनों देशों के संबंधों में तनाव देखा जा रहा है। दरअसल, ढाका ने सीमा पार बिजली लेनदेन के लिए भारत के प्रस्तावित प्रति यूनिट एक पैसे की शुल्क बढ़ोतरी पर आपत्ति जताई थी। बाद में भारत ने इसे घटाकर सिर्फ आधा पैसा कर दिया था, इसके बावजूद बांग्लादेश की सरकार कचरे से बनने वाली बिजली के लिए एक चीनी कंपनी को 25 टका प्रति यूनिट का भुगतान करने को राजी हो गई है। यह विवादास्पद फैसला ऐसे समय में आया है जब बांग्लादेश अपने इतिहास के सबसे गंभीर बिजली संकट और ब्लैकआउट से जूझ रहा है।

जन्माष्टमी से पहले काशी विश्वनाथ धाम से लड्डू गोपाल के लिए मथुरा भेजा गया विशेष उपहार

वाराणसी। सनातन संस्कृति के दो प्रमुख आध्यात्मिक केंद्रों काशी और मथुरा के बीच श्रद्धा, समर्पण और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की अनूठी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पूर्व बुधवार को श्री काशी विश्वनाथ धाम से भगवान श्री लड्डू गोपाल के लिए विशेष उपहार सामग्री श्रीकृष्ण जन्मस्थान मथुरा को प्रेषित की गई है। वर्ष 2024 में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर इस अभिनव धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहल की शुरुआत हुई थी। इसके तहत श्री काशी विश्वनाथ धाम की ओर से भगवान श्री विश्वेश्वर महादेव का आशीर्वाद एवं उपहार सामग्री श्रीकृष्ण जन्मस्थान मथुरा में विराजमान श्री लड्डू गोपाल को भेजी गई थी। इसी क्रम में रंगभरी एकादशी के अवसर पर भी काशी और मथुरा के बीच परस्पर भेंट एवं श्रद्धा-संदेशों के आदान-प्रदान की परंपरा को आगे बढ़ाया गया। इस पहल का उद्देश्य सनातन धर्म के प्रमुख तीर्थों और मंदिरों के बीच आध्यात्मिक संवाद, सांस्कृतिक समन्वय तथा परस्पर श्रद्धा के संबंधों को और सुदृढ़ करना है। चार सितम्बर को आयोजित होने वाले श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के पूर्व लड्डू गोपाल के लिए तैयार विशेष उपहार सामग्री को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में भगवान श्री विश्वेश्वर महादेव के समक्ष विधि-विधानपूर्वक पूजित किया गया। सामग्री को भगवान श्री विश्वेश्वर को समर्पित कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया गया। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार एवं पूजा-अर्चना के बीच भेंट सामग्री को श्रद्धापूर्वक श्रीकृष्ण जन्मस्थान के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे और कार्यक्रम को पारंपरिक गरिमा एवं पूर्ण श्रद्धाभाव के साथ संपन्न कराया। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के अनुसार, इस वर्ष इस नवाचार को और व्यापक स्वरूप दिया गया है। देश-विदेश के विभिन्न देवालयों में विराजमान देवताओं की ओर से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर शुभकामना संदेश श्रीकृष्ण जन्मस्थान न्यास को भेजने की पहल की गई है। इस पहल का समन्वय श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास द्वारा अपने संस्थागत नॉलेज पार्टनर 'टेम्पल कनेक्ट' के सहयोग से किया जा रहा है। अब तक करीब 15 देशों के 100 से अधिक देवालयों से शुभकामना संदेश श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास को प्राप्त हो चुके हैं।

टोल कलेक्शन में कथित धोखाधड़ी: ईडी की जम्मू में बिजनेसमैन राकेश चौधरी के ठिकानों पर छापेमारी

जम्मू। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के टोल प्लाजा पर टोल कलेक्शन में कथित धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को देशभर में कई स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। इसी कार्रवाई के तहत ईडी की एक टीम ने जम्मू में बिजनेसमैन राकेश चौधरी के आवास और कार्यालय की तलाशी ली। केंद्रीय सुरक्षा बलों के साथ पहुंची टीम ने गांधी नगर के ग्रीन बेल्ट स्थित उनके घर में तलाशी अभियान चलाया और परिसर को सील कर आने-जाने पर रोक लगा दी। ईडी अधिकारियों ने त्रिकुटा नगर स्थित चौधरी के कार्यालय में भी तलाशी ली। इस दौरान दस्तावेजों, वित्तीय रिकॉर्ड और अन्य संबंधित कागजात की जांच की गई। अधिकारियों ने मामले से जुड़े संभावित डिजिटल साक्ष्यों और अन्य रिकॉर्ड को भी खंगाला। ईडी की कार्रवाई अलग-अलग टोल प्लाजा पर टोल कलेक्शन में कथित अनियमितताओं और धोखाधड़ी से जुड़ी बताई जा रही है। जांच का मुख्य फोकस कथित तौर पर फर्जी या अनधिकृत टोल रसीदें तैयार करने के लिए अनधिकृत सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल पर है। जांच एजेंसी यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि कथित सिस्टम के माध्यम से टोल के रूप में एकत्र की गई रकम का प्रबंधन किस तरह किया जाता था। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि क्या इस राशि को एनएचएआई के आधिकारिक खातों से बाहर रखा गया और बाद में किसी अन्य माध्यम से उसका इस्तेमाल या हस्तांतरण किया गया। ईडी अधिकारी कथित धोखाधड़ी से जुड़े वित्तीय लेन-देन की कड़ियों को जोड़ने के लिए मनी ट्रेल की भी जांच कर रहे हैं। एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि कथित तौर पर जमा या बाहर रखी गई रकम किन लोगों या संस्थाओं तक पहुंची और इसमें किन-किन लोगों की भूमिका रही।

तमिलनाडु के 52 मंदिरों में स्मार्टफोन ले जाने और इस्तेमाल करने पर रोक

एजेंसी, चेन्नई

♦ परिसर में सेल्फी और रील पर पाबंदी, वीआईपी पर भी लागू होंगे नियम

तमिलनाडु सरकार ने राज्य के 52 प्रमुख मंदिरों में स्मार्टफोन ले जाने और इस्तेमाल करने पर रोक लगा दी है। यह नियम मंगलवार से लागू हुआ है। नए नियम के मुताबिक, श्रद्धालुओं को मंदिर में प्रवेश से पहले स्मार्टफोन काउंटर पर जमा करना होगा। इसके लिए हर फोन पर 5 रुपए चार्ज देना होगा। बिना कैमरे वाले मोबाइल फोन मंदिर के अंदर ले जाने की अनुमति होगी। मंदिर परिसर में फोटो खींचने, रील बनाने और वीडियो रिकॉर्ड करने पर रोक लगा दी गई है। इस नियम के तहत वीआईपी, बड़ी हस्तियों और मशहूर लोगों की फोटो या वीडियो बनाने की भी इजाजत नहीं होगी। हिंदू रिलीजियस एंड चैरिटेबल एंडोमेंट्स (HR&CE) मंत्री रमेश ने यह जानकारी दी।

फोटो-वीडियो और रील बनाने पर रोक: यह फैसला 2 दिसंबर 2022 को मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच के आदेश के आधार पर जारी किए गए हैं। मंदिर परिसरों में श्रद्धालुओं, खासकर युवाओं द्वारा फोटो खींचने, रील बनाने और वीडियो रिकॉर्ड करने को लेकर लगातार चिंताएं जताई जा रही थीं। मंत्री ने कहा कि जिन मोबाइल फोन में कैमरा नहीं है, उन्हें मंदिर के अंदर ले जाने की अनुमति होगी। नए नियम का उद्देश्य मंदिरों की पवित्रता और शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखना है। कांचीपुरम के प्रसिद्ध देवराजस्वामी-अथि वरदार मंदिर में मंगलवार सुबह 6 बजे से यह व्यवस्था शुरू कर दी गई। यहां फोन जमा करने के लिए दो कंप्यूटर ऑपरेटर और दो कर्मचारी तैनात किए गए हैं।

हाईकोर्ट ने जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद यह आदेश दिया था: हाईकोर्ट ने तिरुचेंदूर के अरुलमिगु सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर में स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर रोक लगाने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद यह आदेश दिया था। इससे पहले भी मंदिरों को मोबाइल फोन ले जाने पर रोक लगाने और उन्हें सुरक्षित रखने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए थे।

वीआईपी लोगों पर भी यही नियम लागू: मंदिर अधिकारियों को प्रवेश द्वार और मंदिर परिसर के बाहर मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर रोक की जानकारी देने वाले बोर्ड लगाने के निर्देश दिए गए हैं। लाउडस्पीकर के जरिए भी श्रद्धालुओं को इस नियम की जानकारी देने को कहा गया है। HR&CE विभाग ने मंदिर परिसर में देवी-देवताओं की फोटो खींचने, वीडियो बनाने और धार्मिक अनुष्ठानों की रिकॉर्डिंग पर भी रोक लगाई है।

सरकारी बस में आदिवासी छात्राओं को चढ़ने से रोका

एजेंसी, पुडुकोट्टई

♦ धक्का देकर उतारने का आरोप, आठ घायल

तमिलनाडु के पुडुकोट्टई जिले में सरकारी बस में सवार होने का प्रयास कर रहीं आदिवासी समुदाय की आठ स्कूली छात्राओं को कथित तौर पर धक्का देकर नीचे उतारने का मामला सामने आया है। घटना में सभी आठ छात्राएं घायल हो गईं। छात्राओं के साथ कथित दुर्व्यवहार की खबर फैलते ही उनके परिजनों और आदिवासी समुदाय के लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। नाराज लोगों ने बस चालक और परिचालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर सड़क पर बैठकर प्रदर्शन किया, जिससे क्षेत्र में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। पुलिस के अनुसार, पुडुकोट्टई जिले के रंगम्माल सत्रम के पास स्थित कीरनूर क्षेत्र में आदिवासी समुदाय की करीब आठ छात्राएं एक सरकारी स्कूल में पढ़ाई करती हैं। बुधवार को ये सभी छात्राएं पुडुकोट्टई जाने के लिए उस मार्ग से गुजर रही सरकारी बस में सवार होने का प्रयास कर रही थीं। बस में पहले से काफी भीड़ थी। इसी दौरान परिचालक ने छात्राओं को बस में चढ़ने से मना किया और कथित तौर पर उन्हें नीचे उतरने के लिए कहा। आरोप है कि इसके बाद छात्राओं को जबरन बस से धक्का देकर नीचे उतार दिया गया। अचानक नीचे गिरने के कारण छात्राओं के हाथ और पैरों में चोटें आईं। घटना की जानकारी मिलने पर छात्राओं के माता-पिता और रिश्तेदार मौके पर पहुंचे। उन्होंने बस चालक और परिचालक से घटना को लेकर तीखी बहस की और छात्राओं के साथ किए गए व्यवहार पर नाराजगी जताई। इसके बाद परिजन और समुदाय के लोग सड़क पर बैठ गए और रास्ता जाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शन के कारण इलाके में तनाव की स्थिति बन गई।

सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शन कर रहे लोगों से बातचीत की। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। बाद में घायल सभी आठ छात्राओं को आपातकालीन एंबुलेंस की मदद से सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार कराया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया आज शिवपुरी में देश के 7वें डाक प्रशिक्षण केंद्र का करेंगे भूमि पूजन

एजेंसी, शिवपुरी

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकासमंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया आज मध्य प्रदेश के शिवपुरी को दो बड़ी सौगात देंगे। वे यहां देश के 7वें डाक प्रशिक्षण केन्द्र का भूमिपूजन और अत्याधुनिक डाकघर का लोकार्पण करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, सिंधिया पूर्वाह्न 11 बजे सरकार की डाकघर आधुनिकीकरण पहल के अंतर्गत अत्याधुनिक प्रधान डाकघर शिवपुरी का लोकार्पण करेंगे। इस डाकघर का डाकघर आधुनिकीकरण योजना के तहत स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर नई दिल्ली के डिजाइन संबंधी दिशा-निर्देशों के अनुरूप कायाकल्प किया गया है। ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक पहचान को सजोते हुए निर्मित इस डाकघर में जन सेवा कनेक्ट (बहुउद्देशीय नागरिक सुविधा केंद्र) की व्यवस्था की गई है, जहां नागरिकों को स्पीड पोस्ट, बचत बैंक, डाक जीवन बीमा, आधार, पार्सल एवं वित्तीय सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी। इसमें दिव्यांगजनों के लिए बाधामुक्त पहुँच, सुव्यवस्थित सर्विस जोन्स तथा आरामदायक प्रतीक्षा हॉल की सुविधा प्रदान की गई है। केंद्रीय मंत्री सिंधिया शिवपुरी के ककरवाया क्षेत्र (लॉ कॉलेज के पास) में 85 करोड़ रुपये की लागत से बनने जा रहे देश के सातवें डाक प्रशिक्षण केंद्र का भूमि पूजन करेंगे। इस राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण केंद्र में मध्य प्रदेश के साथ-साथ आसपास के अन्य राज्यों के डाक विभाग कर्मचारियों को भी उच्चस्तरीय प्रशिक्षण दिया जाएगा।

दिल्ली गैंगरेप केस- पीड़ित और आरोपियों के फिंगरप्रिंट मिले, ड्राइवर-कंडक्टर के कपड़े भी जब्त

एजेंसी, नई दिल्ली

♦ चलती बस में 16 साल की छात्रा से रेप का आरोप

दिल्ली में चलती स्लीपर बस में 16 साल की छात्रा से गैंगरेप के मामले में पुलिस को फोरेंसिक जांच में अहम सबूत मिले हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, बस से छात्रा और दोनों आरोपियों के फिंगरप्रिंट मिले हैं। बस की सीटों और स्टीयरिंग व्हील से भी फोरेंसिक सैंपल लिए गए हैं। ड्राइवर कुलदीप और कंडक्टर संदीप के कपड़े भी पुलिस ने जब्त किए हैं। पुलिस अब DNA रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। इसके बाद जांच को आगे बढ़ाते हुए जल्द चार्जशीट दाखिल करने की तैयारी है। दोनों आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है और घटना में इस्तेमाल स्लीपर बस भी जब्त की गई है। मामला 4 अगस्त की रात का है। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी की रहने वाली 11वीं की छात्रा ग्रेटर नोएडा के परी चौक से बस में बैठी थी। करीब 47 किलोमीटर बाद उसे कश्मीरी गेट बस टर्मिनल के पास रिंग रोड पर छोड़ दिया गया था। छात्रा ने बाद में पुलिस से संपर्क कर घटना की जानकारी दी। 31 अगस्त को घटना सामने आई।

घर में झगड़े के बाद निकली थी छात्रा: पुलिस के मुताबिक, छात्रा परिवार में झगड़े के बाद बिना बताए नोएडा में रहने वाले अपने कजिन के घर जाने के लिए निकली थी। मैनपुरी से निकलने के बाद वह बारिश और अंधेरे के बीच परी चौक पर उतर गई। यहां नोएडा जाने के लिए वाहन का इंतजार कर रही थी, तभी एक खाली स्लीपर बस वहां से गुजरी। छात्रा ने बस को रुकने का इशारा किया। ड्राइवर और कंडक्टर ने उसे बस में बैठा लिया और बताया कि बस नोएडा सेक्टर-63 जा रही है। पुलिस के मुताबिक, बस चलने के कुछ समय बाद कंडक्टर ने छात्रा के साथ अश्लील हरकत करने की कोशिश की।

बस के अंदर दोनों ने किया रेप: छात्रा ने पुलिस को बताया कि ड्राइवर और कंडक्टर ने उसके साथ रेप किया। विरोध करने पर दोनों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। बस के शीशों पर पर्दे लगे थे, जिससे अंदर की गतिविधियां बाहर से दिखाई नहीं देती थीं।

आरोप है कि दोनों ने देर रात छात्रा को कश्मीरी गेट बस टर्मिनल के पास रिंग रोड पर उतार दिया और वहां से फरार हो गए। इसके बाद छात्रा ने रात में ही कश्मीरी गेट पुलिस से संपर्क किया और घटना की जानकारी दी।

बाघ संरक्षण के साथ स्थानीय लोगों की आजीविका का ध्यान रखना भी जरूरी : भूपेंद्र यादव

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तनमंत्री भूपेंद्र यादव ने बुधवार को कहा कि पारिस्थितिक संरक्षण की नींव संरक्षण, सद्भाव और मानव-प्रकृति सह-अस्तित्व पर आधारित होनी चाहिए। उन्होंने बाघों के संरक्षण को केवल बाघों की संख्या बढ़ाने तक सीमित रखने के बजाय वन, घासभूमि, नदियों, वन्यजीव गलियारों और स्थानीय समुदायों के समग्र संरक्षण पर जोर दिया। भूपेंद्र यादव ने यहां 'बाघ परिदृश्य : संरक्षण, जैव-अर्थव्यवस्था और आजीविका एवं आय सृजन के लिए पारिस्थितिकी पर्यटन' विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए यह बात कही। कार्यशाला का आयोजन अंतरराष्ट्रीय बिग कैट एलायंस (आईबीसीए), एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की ओर से किया जा रहा है। कार्यशाला 2 और 3 सितंबर को आयोजित हो रही है।

उन्होंने कहा कि बाघों का अस्तित्व स्वस्थ जंगलों, घासभूमियों, नदियों, शिकार प्रजातियों, वन्यजीव गलियारों और स्थानीय समुदायों से सीधे जुड़ा है। बाघ परिदृश्य महत्वपूर्ण प्राकृतिक पूंजी हैं, जो जल सुरक्षा, कार्बन अवशोषण, जलवायु नियंत्रण, जैव विविधता संरक्षण और आजीविका में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि अब प्रजाति आधारित संरक्षण से आगे बढ़कर एकीकृत परिदृश्य प्रबंधन की जरूरत है, जिससे पारिस्थितिक सुरक्षा के साथ सामाजिक-आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिले। इसके लिए प्रकृति आधारित समाधान, नए वित्तीय तंत्र और समुदाय आधारित पारिस्थितिकी पर्यटन को बढ़ावा देना जरूरी है।

यादव ने कहा कि दुनिया इस समय मरुस्थलीकरण, मिट्टी की नमी में कमी और मिट्टी की गुणवत्ता में गिरावट जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है। ऐसे में बाघ परिदृश्यों का संरक्षण और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा कि स्थानीय समुदायों के पारंपरिक ज्ञान का उपयोग प्रकृति संरक्षण के साथ टिकाऊ सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने कार्यशाला में पारंपरिक ज्ञान को व्यवस्थित रूप से दर्ज करने और संरक्षण, जैव-अर्थव्यवस्था तथा पारिस्थितिकी पर्यटन से जुड़ी नीतियों में शामिल करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आईबीसीए को वैश्विक दक्षिण के स्थानीय समुदायों के ज्ञान को एक साथ लाकर पारिस्थितिक संरक्षण की नीतियां तैयार करने में नेतृत्व करना चाहिए।

इस अवसर पर आईबीसीए और एडीबी के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इसके तहत दोनों संस्थाएं परिदृश्य संरक्षण, टिकाऊ विकास, क्षमता निर्माण, ज्ञान के आदान-प्रदान और प्रकृति आधारित वित्तीय पहलों के क्षेत्र में सहयोग करेंगी। यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना के तहत आईबीसीए सात बड़ी बिल्ली प्रजातियों के संरक्षण के लिए देशों और संस्थानों के बीच वैश्विक सहयोग का महत्वपूर्ण मंच बन रहा है।

अजमेर पुलिस ने दो संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिक को पकड़ा

एजेंसी, जयपुर

राजस्थान में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों और अन्य घुसपैठियों की पहचान के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अजमेर जिला पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने बुधवार को 25वीं कार्रवाई करते हुए दो संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा। इनमें एक महिला और एक पुरुष शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, दोनों पति-पत्नी हैं और प्रारंभिक पूछताछ में उन्होंने खुद को बांग्लादेशी नागरिक बताया है। इस अभियान के तहत अजमेर जिले में अब तक कुल 59 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा जा चुका है।

पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने बताया कि कार्रवाई जिला पुलिस और सीआईडी जोन अजमेर की संयुक्त टीम ने की। टीम ने मुखबिर तंत्र, तकनीकी साधनों और उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर अजमेर के विभिन्न इलाकों में संदिग्ध लोगों की तलाश की। इसी क्रम में टीम को दरगाह क्षेत्र में दो संदिग्ध लोगों के मौजूद होने की सूचना मिली। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों को पकड़ा। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम हलीमा खातून और रबीउल इस्लाम बताए। पुलिस के अनुसार, दोनों ने खुद को बांग्लादेशी नागरिक बताया है।

प्रारंभिक पूछताछ में पुलिस के सामने आया कि दोनों कथित तौर पर पश्चिम बंगाल सीमा के रास्ते अवैध रूप से भारत में दाखिल हुए थे। इसके बाद वे कुछ समय असम और कोलकाता में रहे और बाद में ट्रेन से अजमेर पहुंचे। पुलिस के मुताबिक, दोनों अजमेर में खानाबदोश के रूप में जीवनयापन कर रहे थे। उनके पास भारत में प्रवेश और यहां रहने से संबंधित वैध दस्तावेज हैं या नहीं, इसकी जांच की जा रही है।

एआईएमआईएम के पूर्व प्रवक्ता सैयद आसिम वकार कांग्रेस में शामिल

एजेंसी, नई दिल्ली

एआईएमआईएम के पूर्व प्रवक्ता सैयद आसिम वकार बुधवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। वकार ने पार्टी मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन इमरान प्रतापगढ़ी मौजूद रहे।

इस मौके पर वकार ने पत्रकार वार्ता में कहा कि अगर देश से सच्चा प्रेम है और भाजपा को सत्ता से हटाना है तो कांग्रेस के साथ आना जरूरी है, क्योंकि कांग्रेस मजबूती के साथ भाजपा के खिलाफ लड़ रही है।

उन्होंने कहा कि एआईएमआईएम में रहने के दौरान उन्हें लगा कि पार्टी भाजपा और उसकी विचारधारा से लड़ने की बात करती है, लेकिन जमीन पर उन लोगों से लड़ रही है जो भाजपा के खिलाफ हैं। इसलिए उन्होंने कांग्रेस के साथ आने का फैसला किया। वकार ने कहा कि देश से मोहब्बत करने वाले लोग भाजपा की सरकार को सत्ता से हटाना चाहते हैं, ताकि देश में धर्मनिरपेक्ष और जनहित की सरकार बनाई जा सके। कांग्रेस ही वह पार्टी है जो मजबूती के साथ भाजपा के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है।

राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि नेता विपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में देशभर में शिक्षा, रोजगार, छात्रों, महिलाओं और वंचित वर्गों के मुद्दों को लेकर आंदोलन चल रहा है। राहुल गांधी हर वर्ग की आवाज मजबूती से उठा रहे हैं और सरकार को लगातार हर मोर्चे पर चेता रहे हैं।

सीहोर में देश की सबसे बड़ी पॉवर ट्रांसफॉर्मर यूनिट शुरू

एजेंसी, भोपाल

♦ मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को करेंगे रोल-आउट, 2000 से अधिक रोजगार के अवसर होंगे सृजित

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को सीहोर में सीजी (क्रॉम्पटन एंड ग्रीव्स) पॉवर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस लिमिटेड की नई पॉवर ट्रांसफॉर्मर विनिर्माण इकाई के प्रथम ट्रांसफॉर्मर के रोल-आउट का शुभारंभ करेंगे। यह आधुनिक इकाई देश में बढ़ती विद्युत जरूरतों को देखते हुए उच्च क्षमता वाले पॉवर ट्रांसफॉर्मर के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

जनसंपर्क अधिकारी बबीता मिश्रा ने बुधवार को बताया कि करीब 50 एकड़ में स्थापित यह इकाई एक ही स्थान पर स्थित भारत की सबसे बड़ी पॉवर ट्रांसफॉर्मर विनिर्माण सुविधा है। मुख्यमंत्री ने अगस्त 2025 में इस संयंत्र का भूमि-पूजन किया था और अब करीब 13 से 14 महीने में यहां उत्पादन प्रारंभ हो गया है। यहां 220 केवी से लेकर 1200 केवी श्रेणी के पॉवर ट्रांसफॉर्मर बनाए जाएंगे। इकाई की उत्पादन क्षमता हर माह 35 पॉवर ट्रांसफॉर्मर तैयार करने की होगी। इतनी बड़ी क्षमता वाली सुविधा एक ही स्थान पर स्थापित होने से देश में उच्च वोल्टेज ट्रांसमिशन उपकरणों के निर्माण को मजबूती मिलेगी। उन्होंने बताया कि सीहोर में तैयार होने वाले उच्च क्षमता के ट्रांसफॉर्मर देश के विभिन्न हिस्सों के साथ वैश्विक बाजारों तक भी पहुंचेंगे। इकाई में तैयार होने वाले ट्रांसफॉर्मर विद्युत क्षेत्र के साथ डेटा सेंटर, रेलवे, नवकरणीय ऊर्जा, तेल एवं गैस तथा ट्रांसमिशन अधोसंरचना से जुड़ी परियोजनाओं में उपयोग किए जाएंगे।

जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि मध्य प्रदेश में बड़े औद्योगिक निवेश को तेजी से धरातल पर उतारने की दिशा में यह परियोजना महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार निवेश प्रस्तावों को वास्तविक उद्योगों में बदलने और उनसे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाने पर है। सीजी की इस इकाई से सीहोर में 2000 से अधिक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

उन्होंने बताया कि सीजी पॉवर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस लिमिटेड विद्युत इंजीनियरिंग के क्षेत्र में करीब नौ दशकों से कार्य कर रही है। कंपनी ट्रांसफॉर्मर, स्विचगियर, इंडक्शन मोटर्स, ड्राइव्स, ट्रैक्शन मोटर्स और अन्य विद्युत उपकरणों का निर्माण करती है। सीहोर की नई इकाई कंपनी की पॉवर ट्रांसफॉर्मर निर्माण क्षमता को बड़े स्तर पर विस्तार देगी। सीहोर में बनने वाले बड़े और उच्च क्षमता वाले ट्रांसफॉर्मर से जहां देश की विद्युत जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी, वहीं इनके निर्यात से सीहोर और मध्य प्रदेश की औद्योगिक पहचान को भी नई दिशा मिलेगी। स्थानीय स्तर पर रोजगार के साथ इस इकाई से जुड़े अन्य कारोबारों के लिए भी अवसर बढ़ेंगे।

03-09-2026 T.P. Page 8_Layout 1 03-09-2026 09:11 Page 1

'मिर्जापुर' में 'डिंपी' के किरदार में काफी ट्रांसफॉर्मेशन हुआ है

अभिनेत्री हर्षिता गौर आगामी फिल्म 'मिर्जापुर' में फिर से डिंपी पंडित के किरदार से वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि मिर्जापुर वेब सीरीज से लेकर अब तक उनके काम में काफी ग्रोथ देखने को मिली है। अभिनेत्री ने आगामी फिल्म 'मिर्जापुर' में फिर से डिंपी पंडित के किरदार के बारे में बताया कि वह अब पहले से बड़ी हो गई है। उन्होंने कहा, 'डिंपी के किरदार में काफी ट्रांसफॉर्मेशन हुआ है, उसने अपनी जिंदगी में बहुत तरक्की की है। मिर्जापुर के हालात कुछ ऐसे हैं कि एक समय के बाद आपको खुद को चुनना होता है और डिंपी ने भी कुछ ऐसा ही किया है। उन्होंने आगे कहा, 'वह इमोशनली समझदार और मेंटली मजबूत है, वह समझती है कि उसे अपनी ताकत दिखाने के लिए इस अफरा-तफरी का हिस्सा बनने की जरूरत नहीं है।'

अभिनेत्री ने आगे शो की पॉपुलैरिटी के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'अगर ये फिल्म सीधे आती तो हमें पता नहीं चलता कि दर्शक उसे कैसा रिस्पॉन्स देंगे, लेकिन लोग पहले से ही शो के इतने बड़े फैन हैं और इसे और ज्यादा देखना चाहते हैं। पहले सीजन वाला वही अंदाज वापस आ गया है, इसलिए मुझे लगता है कि ये सारी चीजें इस एक्सपीरियंस को और भी बेहतर बनाएंगी।'

अभिनेत्री ने बताया कि डिंपी से उन्हें सीखने को मिला, कि चाहे कुछ भी हो जाए, अपने डायनामिक्स में नहीं फंसना चाहिए। आपको अपनी बात रखनी होगी, और आप बिना लड़ाई-झगड़े के ऐसा कर सकते हैं। अभिनेत्री से सवाल किया, 'शो की पॉपुलैरिटी के साथ-साथ, वॉयलेंस और अब्यूसिव लैंग्वेज को लेकर भी क्रिटिसिज्म हुआ है। आपके अनुसार, क्या मिर्जापुर समाज की असलियत को दिखाता है, या यह कभी-कभी वायलेंस को सेंसेशनल बनाता है?'

इस सवाल के जवाब में अभिनेत्री हर्षिता गौर ने कहा, 'असल दुनिया फिक्शन को इंस्पायर करती है और कभी-कभी फिक्शन भी असल दुनिया को दिखाता है। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि यह किसी चीज को सेंसेशनल बनाने के बारे में है।'

रुक्मिणी वसंत के लिए मुसीबत बनी टॉक्सिक

फैंस सुना रहे खरी-खोटी

यश की 'टॉक्सिक' ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर देश में 101.10 करोड़ का नेट कलेक्शन कर बंपर शुरुआत की है। गीतू मोहनदास की यह फिल्म अपने बोल्ड और बिंदास अंदाज को लेकर सुर्खियों में हैं। एक तरफ जहां यश के फैंस सिनेमाघरों में सीटियां बजा रहे हैं, वहीं 'कांतारा' फेम एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत के लिए यह सिर दर्द' साबित हो रहा है।

ऋषभ शेट्टी की 'कांतारा: चैप्टर 1' में लोगों ने रुक्मिणी को कनकवती के किरदार में देखा और खूब सराहा। लेकिन अब 'टॉक्सिक' में यश के साथ उनके बेडरूम सीन को देख लोग खफा हो गए हैं। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। बेंगलुरु में पैदा हुई 29 साल की रुक्मिणी वसंत ने टॉक्सिक में मेलिसा का किरदार निभाया है। महज 7 साल पहले 2019 में कन्नड़ फिल्म 'बीरबल ट्रायोलॉजी' से करियर शुरू करने वाली रुक्मिणी के लिए यह नई फिल्म करियर में बड़ा महत्व रखता है। हालांकि, इस बार सोशल मीडिया पर उनके ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। खासकर उस बेडरूम सीन को लेकर।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स इंस्टाग्राम और रेडिट पर वायरल हो क्लिप में रुक्मिणी बिस्तर पर सिर्फ एक कंबल ओढ़े दिख रही हैं। फिल्म में यह यश के किरदार राया के साथ इंटीमेट होने के बाद की सुबह का दृश्य है। यूजर्स ने इस सीन पर सवाल उठाते हुए लिखा है, 'रुक्मिणी, यह क्या बकवास है?' एक दूसरे यूजर ने लिखा, 'मैं ऐसे सीन को कैसे समझूं? रुक्मिणी, सच कहूं तो मुझे आपसे इसकी उम्मीद नहीं थी!'

यूजर्स ने पूछा- टॉक्सिक की स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी थी आपने?

एक तीसरे यूजर ने लिखा है, 'क्या आपने फिल्म की स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी थी? इतनी घटिया स्क्रिप्ट क्यों चुनी?' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'इससे ठीक पहले के सीन में मेलिसा बिना कुछ कहे अपने कपड़े उतारने लगती है। यह क्या है, रुक्मिणी से ऐसे सीन की उम्मीद नहीं थी।'

डीपफेक बिकिनी वीडियो का शिकार बनी थीं रुक्मिणी वसंत

बहरहाल, रुक्मिणी वसंत की ओर से अभी तक इस ट्रोलिंग पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। न ही मेकर्स ने ही कोई जवाब दिया है। इससे पहले इसी साल मई 2026 में रुक्मिणी वसंत 'डीपफेक' का भी शिकार बनी थीं। तब ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर उनका एक स्विमिंग पूल वीडियो वायरल हो रहा था, जिसमें वह हरे रंग की बिकिनी में नजर आई। दावा किया गया कि यह किसी शूटिंग का हिस्सा है।

करीना कपूर ने 'दायरा' को बताया ड्रीम प्रोजेक्ट

अभिनेत्री करीना कपूर खान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'दायरा' की रिलीज की तैयारी में हैं। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए इस प्रोजेक्ट पर काम करने के अपने अनुभव के बारे में बताया। अभिनेत्री करीना कपूर खान ने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर कर बताया कि इस फिल्म ने उन्हें मुंबई के उन हिस्सों और ऐसी जगहों पर पहुंचाया, जहां वह पहले कभी नहीं गई थीं। करीना ने कहा कि भले ही वह पूरी जिंदगी इसी शहर में रही हैं और पूरे भारत में घूमी हैं, लेकिन 'दायरा' ने उन्हें मुंबई का एक अनदेखा पहलू दिखाया। अभिनेत्री ने लिखा, 'मुंबई में मेरा जन्म हुआ। सारी जिंदगी इस शहर में रहते हुए देशभर में काफी सफर करने के बाद, मुझे लगता था कि मैं इस शहर और देश को अच्छे से जानती हूं, लेकिन फिल्म दायरा की शूटिंग के दौरान मैं ऐसी-ऐसी जगहों पर गई, जो मैंने पहले कभी ना देखी थी और ना जानती थी।'

अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म दायरा ने उनकी सामाजिक समझ को भी कई नई हदों तक पहुंचाया। उन्होंने लिखा, 'दायरा का सफर मेरी रचनात्मकता को उन जगहों तक ले गया, जो मेरे लिए अब तक अनजान थे। दायरा ने मेरी सामाजिक समझ को भी कई नई हदों तक पहुंचाया। मैंने सीखा है कि हमारी जिंदगी और समाज सिर्फ दोहरा नहीं है, सब कुछ सिर्फ काला या सफेद नहीं होता। इनके बीच एक पूरा स्पेक्ट्रम है, ग्रे का एक पूरा संसार है, जिसमें हम जीते हैं। दायरा उस ग्रे को सिर्फ समझने की कोशिश नहीं करती बल्कि, ये उसके अंदर उतरती है, उसे कुरेदती है। यही दायरा का सार है। क्योंकि दायरा की दुनिया पूरी तरह ग्रे है, लेकिन इसके साथ-साथ, हमेशा दोहरी भी है।'

उन्होंने आगे लिखा, 'यह फिल्म हमेशा से ही दोहरी कहानी वाली रही है। अपने मूल में 'दायरा' सिर्फ दोहराव के बारे में है और यह दोहरापन फिल्म के दो मुख्य किरदारों के जरिए दिखाया गया है। कास्टिंग के लिहाज से, यह मेरे लिए सपने के सच होने जैसा था। हिंदी और मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के दो बेहतरीन कलाकारों को एक-दूसरे के सामने लाना। क्योंकि 'दायरा' एक ऐसी कहानी है जो एक नहीं, बल्कि देश भर में हुई कई सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। दायरा की कहानी भारत के किसी एक शहर या राज्य में नहीं घटती, बल्कि यह हमारे देश में लगभग हर जगह घटती है। दायरा की इस दुनिया को बेहतरीन कलाकारों और शानदार टीम ने जीवंत किया है।' उन्होंने बताया कि इस कहानी में दोनों कलाकार कानून के सफर में हैं, लेकिन फिर, दोंनो खुद को कानून की नाजुक लकीरों के आर-पार पाते हैं। फिल्म में मैंने अजूनी का किरदार निभाया है, जो अपने उसूलों को लेकर अटूट है और पृथ्वीराज के रमन के तेवर भी उनके उसूल जितने मजबूत हैं। जिंदगी की तरह, दायरा में भी, दोनों के फैसले न काले हैं, न सफेद। दोनों ग्रे के एक ऐसे इंद्रधनुष में घुले हैं, जहां कुछ भी साफ-साफ, सही या गलत नहीं है। कभी कानून उन्हें रास्ता दिखाता है, तो कभी वही कानून उनके रास्ते रोक देता है। कानून की लकीरों के दरम्यान का सफर, है दायरा।'

करीना ने बताया कि इस फिल्म में वे बिल्कुल नए अंदाज में नजर आने वाली हैं।

'ललकार' के लिए बड़ा बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन करेंगे आमिर

आमिर खान एक बार फिर अपने किरदार के लिए खुद को पूरी तरह बदलने की तैयारी में हैं। आमिर जल्द ही निर्देशक आशुतोष गोवारिकर की नई स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'ललकार' में नजर आएंगे। इस फिल्म को लेकर सामने आई नई जानकारी के मुताबिक... 'आमिर अपने किरदार के लिए बड़ा फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन करने वाले हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म में वह करीब 25 साल के युवक का किरदार निभाएंगे। ऐसे में अपनी उम्र से काफी कम दिखने के लिए एक्टर वजन कम करने की खास तैयारी कर रहे हैं। आमिर ने फिल्म के लिए वजन कम करने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए वह एक बड़े वेट लॉस प्रोग्राम पर काम कर रहे हैं। आमिर के लिए यह बदलाव केवल वजन घटाने तक सीमित नहीं होगा। किरदार को विश्वसनीय बनाने के लिए उनके लुक, बॉडी शेप और स्क्रीन प्रेजेंस पर भी खास ध्यान दिया जाएगा।' आमिर पहले भी अपनी उम्र से अलग किरदार निभाकर दर्शकों को चौंका चुके हैं। '3 इडियट्स' में उन्होंने कॉलेज स्टूडेंट का किरदार निभाया था।

भावना पानी ने संजय लीला भंसाली के साथ काम करने की इच्छा जताई

अभिनेत्री भावना पानी फिल्मों और रंगमंच में खास पहचान रखती हैं। उन्होंने हालिया बातचीत में बताया कि वे अपने करियर में एक बार संजय लीला भंसाली की फिल्मों में काम करना चाहती हैं। उन्होंने बताया, 'संजय लीला भंसाली सर, चाहे मुझे कोई भी रोल दें, उसे आगे ले जाना मेरे ऊपर है। मैं उम्मीद करती हूं कि जब भी मुझे उनकी फिल्म में काम करने का मौका मिलेगा, तो वह शानदार, दमदार और चुनौतीपूर्ण रोल होगा। मैं यह भी उम्मीद करती हूं कि वह डांस वाला हो क्योंकि मैंने बचपन से ही भारतीय शास्त्रीय नृत्य सीखा है। मुझे लगता है कि संजय लीला भंसाली सर को शास्त्रीय संगीत और नृत्य की अच्छी समझ भी है। अभिनेत्री का मानना है कि हिंदी फिल्मों में अगर किसी निर्देशक ने भारतीय शास्त्रीय नृत्य और म्यूजिक को बड़े कैनवास पर उतारा है, तो वे संजय लीला भंसाली सर हैं। अभिनेत्री ने यह भी कहा है कि अगर आप एक्टर या डांसर नहीं होते, तो आप एस्ट्रोनॉट बनना चाहते। एक्टिंग कल्पना और इमोशन से चलती है, जबकि एस्ट्रोफिजिक्स लॉजिक और साइंस पर आधारित है। ये अलग-अलग दुनियाएं आपकी पर्सनैलिटी में एक साथ कैसे रहती हैं?' अभिनेत्री ने जवाब देते हुए कहा, 'इमोशन कभी भी बिना तर्क के नहीं आते हैं। ये आते कहां से हैं, उसका मकसद और जरूरत क्या है? यह सब समझने के लिए बहुत सारे तर्क और विज्ञान की आवश्यकता होती है। इसके लिए आपको बिहेवियरल साइंस की भी जानकारी होनी चाहिए। कई ऐसी चीजें हैं जहां आपके दिमाग का तार्किक होना बहुत जरूरी है। मुझे लगता है कि तार्किक दिमाग के साथ-साथ कल्पना और भावना की भी जरूरत होती है।

शाहरुख खान के साथ 'किंग' में काम करना उनके लिए सपने के सच होने जैसा

'मुंज्या' की सफलता के बाद अभय वर्मा के लिए शोहरत के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ी है। वह कहते हैं कि सफलता ने उनकी भूख कम नहीं की, बल्कि सपनों को और बड़ा कर दिया। शाहरुख खान के साथ 'किंग' में काम करना उनके लिए सपने के सच होने जैसा रहा।

'मुंज्या' की सफलता के बाद अब दबाव महसूस होता है?

दबाव नहीं कहूंगा, लेकिन जिम्मेदारी जरूर बढ़ गई है। सफलता के बाद उम्मीदें बढ़ जाती हैं और आपको अगली बार और मेहनत करनी पड़ती है। मुझे याद नहीं कि पिछली बार आठ घंटे कब सोया था। लेकिन मेरे सपने मुझे सोने नहीं देते। मैंने एक खूबसूरत बात सुनी थी कि अगर आपको पता हो कि आप फेल नहीं होंगे तो आप कितना बड़ा सपना देखेंगे? इसलिए अब मैंने अपने सपनों की कोई लिमिट नहीं रखी है। आराम बाद में होता रहेगा। अभी मैं अपने दर्शकों का प्यार और बड़ा करना चाहता हूं।

आज की तारीख में आपको सबसे ज्यादा खुशी किस चीज से मिलती है?

लोगों का प्यार मेरी सबसे बड़ी खुशी है। मैं इसे एक अमानत मानता हूं। दर्शक जब चाहें यह अमानत दे सकते हैं और जब चाहें अपने खजाने से और प्यार दे सकते हैं। मेरा काम है कि मैं इतनी मेहनत करूं कि यह प्यार बार-बार मिलता रहे। अभी तक जितना प्यार मिला है, उसने मेरी भूख कम नहीं की, बल्कि और बढ़ा दी है।

शाहरुख खान के साथ 'किंग' में काम करने का अनुभव कैसा रहा?

मैंने सपने देखना ही शाहरुख सर को देखकर शुरू किया है। लोग उन्हें अपना हीरो मानते हैं और उनके जैसा बनने का सपना देखते हैं। मेरे लिए तो वह उससे भी आगे हैं।मैंने उनसे पूछा कि शुरुआती दौर में फिल्में कैसे चुनते थे? उन्होंने कहा- 'उन लोगों के साथ काम करो, जिनके साथ आपका मन लगे और जो आपको प्यार करते हों।' उनके अंदर 35 साल के अनुभव के बाद भी सीखने और सिखाने की वही ऊर्जा है। वह सेट पर सैंडबैग उठाकर बताते हैं कि यह आपका मार्क है, ऐसे डायलॉग बोलकर देख सकते हो। जब वह शूट नहीं कर रहे होते तो एक कुर्सी लेकर बैठ जाते और देखते कि सिनेमा कैसे बन रहा है। उनके अंदर का पैशन और जज्बा देखकर मुझे समझ आया कि वह शाहरुख खान क्यों बने हैं।

पहली बार शाहरुख खान के साथ काम करने का फोन आया तो आपका रिएक्शन क्या था?

मेरे लिए दो राय की कोई बात नहीं थी। मैंने कहा कि मुझे दीवार पर मक्खी भी बना देंगे तो मैं मक्खी बन जाऊंगा, बस उनके साथ काम करने का मौका मिलना चाहिए। जिस दिन मेरा शूट नहीं होता था, तब भी मैं सेट पर पहुंच जाता था। अगर मेरा शूट जल्दी खत्म हो जाता और उनका शूट चल रहा होता तो मैं पूरा दिन सेट पर रहता। जब फोन आया तो पैसे की बात भी हुई। मैंने कहा कि मेरे लिए इससे ऊपर कोई बात नहीं है। आप प्रोफेशनल तौर पर जो ठीक समझें, करिए। मेरे लिए उनके साथ काम करना ही सबसे बड़ा मौका था।